



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 181]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 21, 2008/वैशाख 31, 1930

No. 181]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 21, 2008/VAISAKHA 31, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2008

अंतिम जांच परिणाम

विषय : मै. फोशान नन्हाई जिंग यू सेरेमिक्स लि. (उत्पादक) और मै. साय इंटरनेशनल लि., हांगकांग (शिपर) द्वारा यथा-आवेदित चीन जन. गण. से विट्रीफाइड पोर्सलेन टाइलों के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच की न्यू शिपर समीक्षा के अंतिम जांच परिणाम।

सं. 15/23/2006-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात पाटनरोधी नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. पृष्ठभूमि एवं जांच शुरुआत:

2. यतः दिनांक 3 दिसंबर, 2001 की अधिसूचना द्वारा उपर्युक्त नियमों को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से विट्रीफाइड पोर्सलेन टाइलों (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयात पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी और केन्द्र सरकार ने दिनांक 2.5.2002 की अधिसूचना सं. 50/2002-सीमाशुल्क द्वारा चीन जन.गण.(जिसे एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया था। दिनांक 4 फरवरी, 2003 की अधिसूचना द्वारा प्राधिकारी ने निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी और केन्द्र सरकार ने दिनांक 1.5.2003

की अधिसूचना सं. 73/2003 द्वारा चीन जन.गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू किया था ।

3. और यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी को मै. फोशान नन्हाई जिंग यू सेरेमिक्स लि.(जिन्हें बायओमा सेरेमिक्स के नाम से भी जाना जाता है) जो चीन में संबद्ध वस्तु के उत्पादक हैं और मै. साय इंटरनेशनल लिमिटेड, हांगकांग जो चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु के शिपर के रूप में हैं (जिन्हें एतदपश्चात् संयुक्त रूप से आवेदक कहा गया है) से दिनांक 24.7.2006 को नियमावली के नियम 22 के अनुसार न्यू शिपर समीक्षा जांच की शुरुआत हेतु एक आवेदन प्राप्त हुआ है । चीन के उपर्युक्त उत्पादक और निर्यातक/शिपर ने उपर्युक्त नियमावली के अंतर्गत समीक्षा की शुरुआत के अपने आवेदन में अन्य बातों के साथ-साथ यह अनुरोध किया कि मै. फोशान नन्हाई जिंग यू सेरेमिक्स लि. चीन में संबद्ध वस्तु के एक नए उत्पादक हैं और उन्होंने वर्ष 2005 में विट्रीफाइड टाइलों के उत्पादन हेतु उत्पादन सुविधा की स्थापना की है और इसलिए उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को उत्पाद का निर्यात नहीं किया था । उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि वे निर्यातक देश के ऐसे किसी निर्यातक या उत्पादक से संबंधित नहीं हैं जो उत्पाद पर लागू पाटनरोधी शुल्क के अधीन हैं और भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात का इरादा रखते हैं । आवेदन के दूसरे पक्ष मै. साय इंटरनेशनल लि. ने हांगकांग में एक पंजीकृत कंपनी होने का दावा किया है जो संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक अथवा उत्पादक से संबंधित नहीं हैं और वे चीन जन.गण. में उपर्युक्त उत्पादक के साथ उनके द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं के निर्यात हेतु एक न्यू शिपर के रूप में एक अनन्य व्यवस्था में शामिल थे ।

4. प्राधिकारी ने आवेदकों से न्यू शिपर के रूप में उनके दर्जे और चीन में अन्य निर्यातकों के साथ उनके संबंध के बारे में अतिरिक्त सूचना और स्पष्टीकरण की मांग की थी । आवेदकों ने आवश्यक स्पष्टीकरण और अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत की थी और उनके दिनांक 20 नवंबर, 2006 के पत्र द्वारा आवेदकों ने संशोधित आवेदन प्रस्तुत किया था । आवेदकों द्वारा संबद्ध वस्तु के उनके नए उत्पादक/निर्यातक के दर्जे के संबंध में प्रस्तुत सूचना की प्रथम दृष्टया जांच के आधार पर प्राधिकारी ने दिनांक 25.1.2007 की अधिसूचना द्वारा उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत ब्यौरेवार जांच और आवेदकों के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु उक्त न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत की, जिसकी जांच अवधि 1 फरवरी, 2007 से 31 जुलाई, 2007 (6 माह) की थी । उक्त समीक्षा जांच की समाप्ति और प्राधिकारी की अनुशंसा किए जाने तक उपर्युक्त आवेदकों द्वारा किए गए निर्यात उक्त नियमावली के अनुसार अनंतिम आकलन के अधीन थे ।

#### ख. प्रक्रिया

5. इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

- i. समीक्षा की शुरुआत होने के बाद प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को इस अनुरोध के साथ अधिसूचित किया कि वे इसकी

तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत कराएं । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग समेत किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने निर्धारित समयावधि के भीतर समीक्षा की शुरुआत के संबंध में कोई टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं की हैं ।

- ii. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के अनुसार आवेदकों से जांच की अवधि पूर्ण होने के 40 दिनों के भीतर प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत करने की अपेक्षा की गई थी । तदनुसार आवेदकों ने प्रश्नावली का अपना उत्तर प्रस्तुत किया और नियमावली के अनुसार उनके पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का उत्तर दिया । आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच की गई थी और दिनांक 18 सितंबर, 2007 और 4 अक्टूबर, 2007 के पत्रों द्वारा अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी । आवेदकों ने अपने दिनांक 26 सितंबर और 8 अक्टूबर, 2007 के पत्रों द्वारा कतिपय अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत की थी ।
- iii. उपर्युक्त आवेदकों द्वारा न्यू शिपर समीक्षा और प्रश्नावली के उत्तर हेतु उनके आवेदन में प्रस्तुत आंकड़ों की फोशान चीन जन.गण. में उनके संयंत्रों और कार्यालयों में नियमावली के संगत प्रावधानों के अनुसार जांच की गई थी ।
- iv. प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय अंश को उपलब्ध कराया था जिसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा गया था ।
- v. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में गोपनीयता के दावों की जांच की है । वह सूचना जो प्रकृति से गोपनीय है या जिसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उनके अगोपनीय सारांश के साथ गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया है, को गोपनीय माना गया है । इस जांच परिणाम में \*\*\* चिन्ह सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना और प्राधिकारी द्वारा नियमों के अंतर्गत गोपनीय मानी गई सूचना को प्रदर्शित करता है ।
- vi. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को उनके विचारों से अवगत कराने का अवसर देने के लिए दिनांक 13 दिसंबर, 2007 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की थी । सार्वजनिक सुनवाई के दौरान पक्षकारों द्वारा किए गए मौखिक अनुरोध जिन्हें लिखित में पुनः प्रस्तुत किया गया था को इस जांच के प्रयोजनार्थ रिकॉर्ड में रखा गया है ।
- vii. प्राधिकारी ने दिनांक 7 जनवरी, 2008 को एक प्रकटन विवरण जारी किया । जिसमें अंतिम जांच परिणामों का आधार बनने वाले विचाराधीन आवश्यक तथ्यों और उस निर्धारण के पद्धतियों का खुलासा किया गया था । प्रकटन विवरण के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों को रिकॉर्ड में रखा गया है और प्राधिकारी ने उठाए गए मुद्दों की उस सीमा तक जांच की है जहां तक वे इस जांच के संगत और तथ्यपूर्ण हैं ।

## ग. हितबद्ध पक्षकारों के विचार

### ग.1 एच एंड आर जानसन (इंडिया) लि. के विचार

6. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने मूल जांच में, न तो इस जांच के संबंध में कोई अनुरोध प्रस्तुत किया है और न ही अपने विचारों से अवगत कराने हेतु सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित हुए हैं। केवल एक घरेलू उत्पादक अर्थात् मै. एच.आर. जानसन ने सार्वजनिक सुनवाई में हिस्सा लिया और उसके बाद लिखित अनुरोध प्रस्तुत किए। सार्वजनिक सुनवाई के बाद के अपने अनुरोधों में मै. एच.आर. जानसन ने यह तर्क दिया है कि दिनांक 27 अगस्त, 2007 के अंतिम आदेश सं. 8/07-एडी द्वारा माननीय सेस्टेट ने एच आर जानसन (इंडिया) लि. बनाम वित्त मंत्रालय एवं अन्य के मामले में यह माना कि जांच की भावी अवधि पर आधारित न्यू शिपर समीक्षा जांच की शुरुआत कानूनन गलत है और नियम 22 के विपरीत है। माननीय न्यायाधिकरण के उपर्युक्त आदेशों का हवाला देते हुए इस पक्ष ने यह तर्क दिया है कि चूंकि यह न्यू शिपर समीक्षा जांच आगामी जांच अवधि के आधार पर शुरू की गई है, इसलिए प्राधिकारी के पास इस जांच की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है।

7. एच एंड आर जानसन ने हितबद्ध पक्षकार के रूप में प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियां भी प्रस्तुत की हैं यद्यपि घरेलू उद्योग ने जांच में हिस्सा नहीं लिया है। प्रकटन के बाद की टिप्पणियों में एच एंड आर जानसन द्वारा उठाए गए मुद्दों का सार निम्नानुसार है। हितबद्ध पक्षकार ने अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया है कि :-

- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने एच एंड आर जानसन (इंडिया) लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में एक प्रतिवादी होने के नाते 2007 में (218) ईएलटी (टीआरआई-डीइल) रिपोर्ट किया था और वे वर्तमान मामले में इसकी उपेक्षा नहीं कर सकते थे जब तक कि इसकी प्रक्रिया को सक्षम प्राधिकार वाले न्यायालय द्वारा प्रतिबंधित न किया जाए।
- न्यू शिपर आवेदन करने की तारीख को भारत के लिए निर्यातक नहीं थे जो नियम-22 के अनुसार एच एंड आर जानसन (इंडिया) लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के यथोक्त मामले में अपीलीय न्यायाधिकरण के आदेश के अनुसार न्यू शिपर समीक्षा के लिए पात्र नहीं हैं।
- निर्यातक द्वारा आवेदन का अगोपनीय अंश एक लैटरहेड के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है जिसमें निर्यातक का स्थान चीन दर्शाया गया है। तथापि, जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना हांगकांग से इसी नाम की एक सत्ता को जारी की गई है। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि निर्यातक ने न्यू शिपर के दर्जे की मांग की थी जबकि जांच शुरुआत में यह दर्जा एक सत्ता को प्रदान किया गया था। कानूनी दृष्टि से जो सत्ता अपने निर्यातक होने का दावा करती थी वही महत्वपूर्ण है क्योंकि जांच तदनुसार की जानी अपेक्षित है।
- उत्पादक ने दावा किया कि उन्होंने दिसंबर, 2005 में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया था जबकि प्रकटन विवरण में यह कहा गया है कि वे जनवरी, 2006 में निगमित हुए थे। अतः दिए गए वक्तव्यों में अंतर्निहित विरोधाभास है।

- यह नोट करना रोचक है कि साय इंटरनेशनल लि. ने 1998 से 2004 तक कोई व्यापार नहीं किया है। यदि आवेदन में यह दावा है कि निर्यातक एक चीन की सत्ता है, तो यह प्रतीत होता है कि यह विवरण हांगकांग की सत्ता के संदर्भ में दिया गया है। रोचक ढंग से उनके लेटरहेड के अनुसार हांगकांग का कार्यालय केवल एक पोस्ट बॉक्स नं. है जिसके उनके कारपोरेट कार्यालय होने का दावा किया गया है। साय इंटरनेशनल एक ऐसी कंपनी है जो अगोपनीय अंश में प्रस्तुत स्थापना के वर्ष के विपरीत 1970 में स्थापित की गई है।
- यह बताया गया है कि निर्यातक, उत्पादक द्वारा दिनांक 18.7.2006 को प्रस्तुत आवेदन में उत्पादक से संबद्ध हैं। दिनांक 22.1.2007 के पत्र के जरिए प्रस्तुत आवेदन के अगोपनीय अंश में यह दावा किया गया है कि निर्यातक कंपनी के केवल 3 शेयरधारक हैं और ये सभी भारतीय हैं। संबद्धता के इन दावों के संबंध में कोई जांच नहीं की गई है। उपर्युक्त के विपरीत निर्यातक ने दिनांक 18.7.2006 का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि शेयरधारक पाटनरोधी जांच के अधीन निर्यात के देश में किसी उत्पादक से संबंधित नहीं हैं। इसके अलावा उत्पादक ने भी ऐसा ही प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है। इसके मद्देनजर यह प्रमाण-पत्र दिनांक 18.7.2006 को उत्पादक के आवेदन के विपरीत है।
- ऐसे अनेक दस्तावेजों, जिन्हें गोपनीय अंश के साथ, बिना किसी कारण के या ऐसे दस्तावेजों के अगोपनीय अंश प्रस्तुत किए, की अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है। ऐसा दृष्टिकोण ऊपर उल्लिखित स्टरलाइट इंडस्ट्रीज मामले और एच एंड आर जानसन के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा घोषित कानून के विपरीत है।
- निर्यातक द्वारा यह बताया गया है कि कोई भी संबद्ध कंपनी संबंधित उत्पाद में शामिल नहीं है। यह बात भी दिनांक 18.7.2006 के आवेदन के विपरीत है जिसमें उत्पादक ने स्वयं यह दावा किया है कि वे मैसर्स साय इंटरनेशनल की एक संबद्ध कंपनी है। इसके अलावा, एक और कंपनी, जिसे साय इम्पेक्स कहा जाता है तथा जो वर्तमान मामले में आयातक है वह भी उनसे संबंधित है। अन्य भारतीय सत्ताएं, जो उसी निर्यातक से संबंधित हैं, भी हैं तथा जो विभिन्न कार्यकलापों में शामिल हैं। निर्यातक के प्रत्युत्तर से यह प्रतीत होता है कि भारत में न्यू शिपर के जरिए संबद्ध वस्तुओं को बेचने के अलावा उनका कोई व्यापारिक प्रचालन नहीं है जबकि अनेक मदों के लिए वे व्यापार प्रचालन करते हैं जिनका ब्यौरा छिपाया गया है।
- उत्पादक ने दो संयंत्रों के बारे में सूचना को छिपाया है जो सामान्य सूचना से संबंधित खंड-क के अंतर्गत प्रश्न सं. 3 के उत्तर स्वरूप देनी थी; एक ही उत्पादक के लिए भिन्न-भिन्न नामों का उल्लेख किया गया है। उन्हें फोसान नान्हाई जिंगयू सेरामिक्स कं. लि., बायोमा सेरेमिक्स, बी एंड एम और कुछेक चीनी नामों से भी, जिन्हें प्रकट नहीं किया गया है, संदर्भित किया गया है। इसकी पूर्ण संभावना है कि वे मूल जांच अवधि के दौरान किसी और नाम से कार्य कर रहे होंगे और वर्तमान स्थापना केवल शुल्कों के अपवंचन हेतु है।

- उत्पादक ने यह सुनिश्चित करने के लिए नगण्य बिक्रियां की हैं कि वे अपनी कपटपूर्ण योजना द्वारा आगामी अवधि के लिए नकारात्मक पाटन मार्जिन प्रदर्शित करने में समर्थ हो सकें। ऐसे दृष्टिकोण से शुल्कों के अपवंचन हेतु उत्पादक के अपराधपूर्ण मंशा प्रदर्शित होती है जिसमें उन्होंने अपनी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य का छह महीने के लिए प्रबंधन किया है।
- चमकीलेपन या ग्रेडों के संबंध में दावा किए गए समायोजन निराधार हैं और वास्तविक साक्ष्य या सबूतों के बिना हैं। ऐसे दावे किसी भी अन्य उत्तर में नहीं किए गए हैं न तो मूल जांच में और न ही न्यू शिपर समीक्षा जांच में और न ही इस मामले की निर्णायक समीक्षा जांच में। इसके मद्देनजर ऐसे समायोजनों को अस्वीकार करना आवश्यक है।
- जैसा कि प्रकटन विवरण में कहा गया है, उत्पादक चीन के जी ए ए पी का पालन नहीं कर रहा था, जिसमें यह पाया गया कि पट्टे का किराया, ब्याज आदि को लेखा पुस्तिकाओं में नहीं दर्शाया गया था। उपर्युक्त के बावजूद प्राधिकारी ने उन्हें एमईटी प्रदान किया है।
- वेट के लिए स्पष्टीकरण जहां तक जांच के अधीन होने का संबंध है, किसी भी सत्ता के बारे में नहीं दिया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस सत्ता को कुछ विशेष प्रोत्साहन दिए जाते हैं जिससे इसमें सरकार के कुछ हस्तक्षेप का संकेत मिलता है।
- भारत में आयात साय इंटरनेशनल की संबंधित कंपनी द्वारा किए गए थे, जिन्होंने आयातक प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अन्य मामलों में ऐसे संबंधित आयातकों को प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए कहा था। वर्तमान मामले में पालन की गई प्रक्रिया इस संबंध में विभेदात्मक है और पूर्ववर्ती मामलों से संगत नहीं है। किसी भी तरह से संबंधित सत्ता द्वारा आयातक प्रश्नावली का उत्तर दिए बिना कोई उचित निर्धारण नहीं किए जा सकते हैं।
- पहली बार मैसर्स फोशान होंगयुन ट्रेड लि. कंपनी, जो एक राज्य के स्वामित्व वाली व्यापारिक कंपनी है, की मौजूदगी को प्रकटन विवरण में दर्शाया गया है। उन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी को कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और इसलिए जैसा कि निर्धारित है न्यू शिपर के लिए कोई निर्धारण उनकी भागीदारी के बिना नहीं किया जा सकता है।
- उत्पादक की हांगयुन ट्रेड लि. कंपनी के साथ एक अनन्य व्यापारिक संविदा थी जो दिसंबर, 2006 में समाप्त हो गई। इसके समर्थन में रिकार्ड में कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया है। ऐसी संविदा की तारीख सही निर्धारणों तक पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रकटन विवरण के अनुसार एक अन्य निर्यातक मै. जिन जांग वेई ने भी जांच अवधि के दौरान विभिन्न देशों को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। इस कंपनी द्वारा कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। अतः प्राधिकारी सही निर्धारणों तक नहीं पहुंच सकते हैं।
- प्रकटन विवरण में यह कहा गया है कि घरेलू उद्योग को जांच शुरुआत के बारे में अधिसूचित किया गया था। भारत में किसी भी उत्पादक को जांच शुरुआत के

बारे में ऐसी कोई सूचना नहीं मिली है जबकि निर्णायक समीक्षा जांच के जरिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के रिकार्ड में इनमें से अधिकांश के नाम उपलब्ध थे। पहला पत्र दिनांक 4 अक्टूबर, 2007 को एच एंड आर जानसन को प्राप्त हुआ था, जिसमें सुनवाई की सूचना दी गई थी। ऐसी सूचना के अभाव में घरेलू उद्योग जांच में भागीदारी नहीं कर सकता था।

- उत्पादक के तीन शेयरधारकों के बारे में प्रकटन विवरण में रिकार्ड किया गया विवरण अग्रिम अनुमोदन नए संयंत्र की खरीद के बारे में सूचना आदि न तो आवेदन में उपलब्ध है और न ही प्रश्नावली के उनके उत्तर में है। किस स्तर पर और किस दस्तावेज के जरिए यह सूचना प्राप्त की गई थी, प्रकटन विवरण में स्पष्ट नहीं किया गया है। यह सूचना सार्वजनिक फाइल में भी उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा यह आवेदन के अगोपनीय अंश में प्रदत्त सूचना और प्रश्नावली के उत्तर की सूचना के भी विपरीत है जिसमें केवल 2 शेयरधारकों को विनिर्दिष्ट किया गया था। इस तथ्य से कि तीन शेयरधारक थे, यह प्रदर्शित होता है कि यह कंपनी 2006 से भी पहले चल रही थी जो एक तथ्य है जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्णतः उपेक्षित कर दिया है और जिसका इस मामले के परिणाम से प्रत्यक्ष संबंध है। तीसरे शेयरधारक के मामले में कोई सूचना नहीं मांगी गई है जिसे शायद इसलिए बाहर रखा गया था क्योंकि उसे शामिल करना नियम-22 के अंतर्गत समीक्षा के लिए खतरनाक हो सकता था। इसके अलावा, मैसर्स फोशान नान हाई लीजिंग सेरामिक कंपनी के बारे में कोई सूचना या आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं, जिससे निर्दिष्ट प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकाल सकें कि क्या उन्होंने जांच की मूल अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का निर्यात किया था।
- प्रकटन विवरण के अनुसार कंपनी को दिनांक 30.8.2005 को अनुमोदन जारी किया गया था जबकि कंपनी जनवरी, 2006 में ही औपचारिक रूप से अधिनिगमित हुई थी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस संबंध में कोई प्रश्न या मुद्दा नहीं उठाया गया था कि ऐसी स्थिति में किस प्रकार से संयंत्र और मशीनरी की खरीद के लिए इन तारीखों से काफी पहले दिनांक 26.7.2005 को संविदाएं की गई थी।
- प्रकटन विवरण में यह रिकार्ड किया गया है कि भूमि ग्रामीण समुदाय की थी। प्रकटन विवरण से यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फोशान नानहाई लीजिंग सेरामिक कंपनी लि. उसी परिसर से प्रचालन कर रहे थे जहां वर्तमान उत्पादक ने प्रचालनों की स्थापना की है। यदि भूमि सरकार की या ग्रामीण समुदाय की थी तो कानूनन लीजिंग के पास उत्पादक के साथ 20 वर्षों के लिए पट्टा अभिलेख में शामिल होने का कोई अधिकार नहीं है।
- प्रकटन विवरण में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली के संबंध में विशेष रूप से जब पुराने संयंत्र और मशीनरी पर स्वामित्व धारण किया गया था, संबंधी विकृतियों की कोई जांच प्रदर्शित नहीं होती है। यह देखने के लिए कोई जांच नहीं की गई है कि क्या उत्पादक अथवा निर्यातक अनुबंध-1 के पैरा 8 (3)(सी) के अनुसार निर्धारणों को ज्ञात करने के लिए दिवालियापन एवं संपत्ति कानूनों के अधीन थे।

- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने लिए गए लाभ के स्तर का खुलासा नहीं किया है जो किसी गोपनीय आंकड़े में प्रदर्शित समंक प्रतीत होता है । लाभ का निर्धारण अनुबंध-1 के पैरा-4(i) के अंतर्गत विकल्पों का प्रयोग करते हुए किया जाना चाहिए, जिसमें उत्पादों की समान सामान्य श्रेणी के लिए विनिर्माता/निर्यातक द्वारा अर्जित लाभ को जोड़ने हेतु व्यवस्था है ।
- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह रिकार्ड किया है कि अंतर्देशीय परिवहन और सभी एफओबी व्यय हॉंगयुन द्वारा उसके मार्जिनों से वहन किए गए हैं । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने हॉंगयुन से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए कहे बिना ही ऐसे विवरणों को स्वीकार किया है ।
- प्रकटन विवरण से ऐसा प्रतीत होता है कि वस्तुओं का कुछ हिस्सा हॉंगयुन के जरिए और शेष हिस्सा मै. जिंगजांगवेई के जरिए निर्यात किया गया है और जांच अवधि के दौरान भारत को संपूर्ण निर्यात इन दो सत्ताओं के जरिए किए गए थे और साथ इंटरनेशनल के जरिए कोई निर्यात नहीं किए गए थे ।
- उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत ऐसी सत्यापन रिपोर्ट की टिप्पणियों के साथ सत्यापन रिपोर्ट की प्रतिलिपि उपलब्ध नहीं कराई गई थी, जैसा कि अन्य मामलों में किया जाता है ।
- नियम 22 के अंतर्गत प्राथमिक शर्त यह है कि न्यू शिपर समीक्षा हेतु आवेदक पाटनरोधी शुल्क के अधीन किसी सत्ता से संबंधित नहीं होना चाहिए । यह स्पष्ट है कि वह सत्ताएं जो संबंधित पक्षकार हैं तथा जो शुल्कों के अधीन हैं, न्यू शिपर समीक्षा हेतु पात्र नहीं हैं और उनके पास एकमात्र साधन सभी संबंधित सत्ताओं के लिए संयुक्त आवेदन प्रस्तुत करना या नियम-23 के अनुसार मध्यावधि समीक्षा की मांग करना है । यह एक निर्विवाद तथ्य है कि संबंधित सत्ताएं पाटनरोधी शुल्क के अधीन थी जो अवशिष्ट श्रेणी के लिए अनुप्रयोज्य है तथा जिससे निर्यातक की पात्रता न्यू शिपर समीक्षा हेतु समाप्त हो जाती है । इस तरह के मामले में और इस तथ्य के मद्देनजर कि नियम-22 की दो आवश्यक शर्तें पूरी नहीं की गई हैं, न्यू शिपर हेतु आवेदन को अस्वीकार किया जाना चाहिए ।
- इस दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि न्यू शिपर आवेदन से पहले निर्यातक थे । प्राधिकारी के लिए ऐसी संबंधित सत्ताओं द्वारा प्रश्नावली का यह स्वीकार करते हुए कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है जिसमें यह दावा किया गया हो कि मूल जांच में उनके द्वारा कोई निर्यात नहीं किए गए थे । वह सत्ताएं जिन्होंने न्यू शिपर हेतु जांच अवधि के दौरान निर्यात किया था, ने भी प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है ।
- इस संबंध में कोई उल्लेख नहीं है कि प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर कैसे पहुंचे कि बिजली प्रचलित बिजली प्रभारों पर खरीदी जाती थी । चीन में पानी की दरों की जांच के बारे में कोई ब्यौरे रिकार्ड नहीं किए गए हैं । इसके अलावा, यह मानते हुए, लेकिन यह स्वीकार नहीं करते हुए कि बिजली और पानी प्रचलित बाजार दरों पर खरीदे गए थे, इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कोई जांच नहीं की गई है कि क्या ऐसी कीमतें बाजारी ताकतों को प्रदर्शित करती हैं विशेष रूप



से तब जबकि स्वीकृत रूप से ये निविष्टियां राज्य उद्यमों द्वारा आपूर्ति की जा रही हैं ।

- चीन में विनिमय दर चीन की सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती है और स्वीकार्य रूप से इसे कृत्रिमतः नियंत्रित स्तर पर रखा जाता है । इस विषय में काफी अनुसंधान उपलब्ध हैं जिससे स्पष्ट रूप से यह खुलासा होता है कि चीनी युआन को कम से कम 30% तक कम मूल्यांकित किया गया है । यह उल्लेखनीय हो सकता है कि केवल यह कारक भारत में आयातों को 30% सस्ता बना देता है । इन परिस्थितियों में चीनी फर्मों को तब तक बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा देने का कोई प्रश्न नहीं है जब तक उनके सौदे बाजार में निर्धारित दरों पर नहीं किए जाते जैसी कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3)(डी) में परिकल्पना की गई है ।
- यह स्वीकार करते हुए कि उक्त निर्यातक भारत में निर्यातित किस्मों के लिए अपनी घरेलू बिक्रियों पर नुकसान उठा रहा है, प्राधिकारी धारा 9 क (1)(ग)(i) के अंतर्गत सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं कर सकते हैं । प्राधिकारी ने यह भी रिकार्ड नहीं किया है कि वे इस निष्कर्ष पर किस आधार पर पहुंचे हैं कि इस मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण धारा 9(क)(1)(ग)(ii) के अंतर्गत अर्थात् निर्यातक देश की निर्यात कीमत या किसी उचित तीसरे देश के क्षेत्र की कीमत के आधार पर नहीं किया जा सकता है । धारा 9(क)(1)(ग)(ii)(ख) को उसके उचित होने का कोई कारण दिए बिना आधार बनाया गया है ।
- इस धारा के प्रयोजनार्थ लाभ का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-4 के अनुसार किया जाना है । इस उपबंध में सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु लाभ के निर्धारण के लिए दिशानिर्देशों की व्यवस्था है । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अनुबंध-1 के पैरा-4(i) के अंतर्गत विकल्पों पर भी विचार नहीं किया है जिसमें विनिर्माताओं द्वारा उत्पादों की सामान्य श्रेणी के लिए अर्जित लाभ को जोड़ने की व्यवस्था है । यह भी प्रतीत होता है कि प्राधिकारी ने अनुबंध-1 के पैरा-4(ii) के अंतर्गत विकल्पों पर विचार नहीं किया है यद्यपि प्राधिकारी के पास चीन में अन्य उत्पादकों के द्वारा अर्जित लाभों के संबंध में अपेक्षित सूचना उपलब्ध थी ।
- न्यू शिपर ने जांच शुरुआत से पहले और संपूर्ण जांच के दौरान प्राधिकारी को गुमराह करने के लिए महत्वपूर्ण सूचना गलत रूप से घोषित की है । निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह बात ध्यान में लेनी चाहिए कि उत्पादक/निर्यातक ने जानबूझकर प्राधिकारी को गुमराह करने के लिए न्यू शिपर समीक्षा की मांग हेतु आवेदन करते समय और प्रश्नावली के उत्तर के साथ भी गलत सूचना प्रस्तुत की है ।
- यह नोट करना संगत होगा कि निर्यातक ने भारत को केवल उच्चतर निर्यात कीमत और परिणामस्वरूप नकारात्मक पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए दो मॉडलों की काफी कम मात्राओं की बिक्री की है । चूंकि ये बिक्रियां काफी कम हैं,

इसलिए ऐसी कम मात्राओं की निर्यात कीमत को पाटन मार्जिन की गणना के प्रयोजनार्थ व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान्य बिक्रियां नहीं माना जा सकता है । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस स्थिति में अपवंचन की संभावना की जांच नहीं की है ।

### ग.2 समीक्षा हेतु आवेदकों के विचार

8. न्यू शिपर समीक्षा के आवेदकों ने सार्वजनिक सुनवाई के बाद के अपने अनुरोधों में अन्य बातों के साथ साथ यह तर्क दिया है कि चूंकि किसी ने भी प्राधिकारी द्वारा समीक्षा जांच की शुरुआत के संबंध में शुरुआत संबंधी अधिसूचना में यथाउल्लिखित निर्धारित समय के भीतर या विस्तारित समय के भीतर कोई सूचना अथवा तर्क प्रस्तुत नहीं किया है इसलिए उन्होंने कोई भी सूचना या तर्क रखने के अपने अधिकार का प्रयोग नहीं किया है और उन्हें इस स्थिति में कोई सूचना प्रस्तुत करने का कोई अवसर नहीं दिया जाना चाहिए ।

9. उपर्युक्त के अलावा आवेदकों ने यह भी तर्क दिया है कि नियमावली के नियम-22 और करार के अनुच्छेद 9.5 के अनुसार वे चीन से संबद्ध वस्तु के नये उत्पादक और निर्यातक के रूप में पृथक पाटन मार्जिन के हकदार हैं क्योंकि वे उन नियमों में उल्लिखित शर्तों को पूरा करते हैं ।

### ग.3 मुद्दों की जांच

10. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उनके अपने-अपने अनुरोधों में उठाए गए मुद्दों की जांच मामले के वास्तविक तथ्यों के संदर्भ में की गई है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि एच एंड आर जानसन ने समीक्षा की शुरुआत के संबंध में अथवा आवेदकों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर के संबंध में निर्धारित समय के भीतर कोई टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं की हैं यद्यपि प्राधिकारी के रिकॉर्डों के अनुसार दिनांक 8 फरवरी, 2007 के पत्र द्वारा मूल जांच में घरेलू उद्योग के सभी संघटकों को जांच शुरुआत संबंधी सूचना भेजी गई थी और यह सूचना स्पीड पोस्ट द्वारा भेजी गई थी । अतः पक्षकार का यह तर्क कि घरेलू उद्योग सामान्यतः और एच आर जानसन को विशेषतः प्राधिकारी द्वारा जांच शुरुआत के समय अधिसूचित नहीं किया गया था और उनके द्वारा प्राप्त पहली सूचना सार्वजनिक सुनवाई के जरिए थी, तर्कसंगत नहीं है । प्रत्येक मामले में सभी जांचों की शुरुआत संबंधी अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की जाती है और निर्दिष्ट प्राधिकारी की वेबसाइट पर भी डाली जाती है । अतः हितबद्ध पक्षकारों को इन सार्वजनिक अधिसूचनाओं के जरिए अधिसूचित मान लिया जाता है । इसलिए इस संबंध में एच एंड आर जानसन के तर्क सही नहीं हैं ।

11. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस पक्षकार ने इस जांच में उपयुक्त स्तर पर इस मामले के जिम्मेवार हितबद्ध पक्षकार के रूप में अपने अधिकारों का उपयोग और दायित्वों का निर्वहन किए बिना जांच के अंतिम स्तर पर कानूनी प्रक्रियात्मक और आधार संबंधी मुद्दों को उठाया है। अतः इस पक्षकार के पास इस स्तर पर इन आपत्तियों को प्रस्तुत करने का अधिकार नहीं है। तथापि, समीक्षा जांच के शुरुआती स्तर पर इस हितबद्ध पक्षकार की भागीदारी की कमी पर ध्यान नहीं देते हुए पारदर्शिता और उचित निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को रिकॉर्ड में लिया है और उनके सही और संगत होने की सीमा तक उनकी जांच की है।

12. जहां तक भावी जांच अवधि के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि माननीय सेस्टेट ने ऊपर उल्लिखित अपने आदेशों में यह माना है कि

*"नियम 22 के अंतर्गत किसी न्यू शिपर समीक्षा में आम तौर पर समीक्षा जांच की शुरुआत से पहले की अवधि के दौरान उत्पादन, निर्यात या बिक्रियां शामिल होनी चाहिए। ऐसी जांच हेतु समीक्षा अवधि निर्धारित करना जो ऐसी समीक्षा हेतु आवेदन की तारीख के बाद आती हो किसी भी तरह से जरूरी नहीं है ....."*

13. माननीय सेस्टेट की उपर्युक्त अभिमतों में प्रयुक्त "आम तौर पर" और "जरूरी" शब्द यह संकेत करते हैं कि यद्यपि न्यू शिपर समीक्षा के लिए पूर्वव्यापी जांच अवधि निर्धारित करना वांछनीय है तथापि, नियमों में भावी जांच अवधि में जांच करना वर्जित नहीं है। माननीय सेस्टेट ने नियम-22 के अंतर्गत भावी जांच अवधि में शुरू की गई पूर्ववर्ती न्यू शिपर समीक्षा जांचों को माना है जिससे उपर्युक्त व्याख्या और प्रभावी बन जाती है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि न तो नियम 22 और न ही करार का अनुच्छेद 9.5 न्यू शिपर समीक्षा के लिए पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु भावी जांच अवधि को प्रतिबंधित करता है। अतः समीक्षा की शुरुआत और उसे अब तक चलाने को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि सेस्टेट के उपर्युक्त अभिमत किसी भी तरह से इन जांच परिणामों को अंतिम रूप देने में बाध्यकारी नहीं हैं।

14. जहां तक आवेदक निर्यातक के आवेदन प्रस्तुत करने से पहले निर्यात नहीं करने के कारण नियम 22 के अंतर्गत समीक्षा आवेदन प्रस्तुत करने की आवेदकों की पात्रता के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि माननीय सेस्टेट का यह अभिमत है कि "वह व्यक्ति जिसने निर्यातक देश में उत्पाद का कभी भी निर्यात या उत्पादन नहीं किया है नियम 22 के अंतर्गत न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत के लिए आवेदन करने का पात्र नहीं हो सकता है ....."। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उल्लिखित आदेशों का अनुपात इस मामले पर लागू नहीं होता है। वर्तमान मामले में आवेदक उत्पादक ने समीक्षा हेतु आवेदन करने से पहले निर्यातक देश में संबद्ध वस्तु के उत्पादक के रूप में

अपने आपको पहले ही स्थापित कर लिया था और उत्पादक और निर्यातक पहले ही उस तारीख से पूर्व भारत को वस्तुओं का निर्यात करने के लिए संविदा में शामिल हो गए थे ।

15. जहां तक न्यू शिपर समीक्षा के आवेदनों हेतु दो मूल शर्तों की पूर्ति के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि न्यू शिपर समीक्षा जांच के लिए शुरुआत में आवेदकों द्वारा जून, 2006 में आवेदन किया गया था जिसे उक्त आवेदन में काफी कमियों के कारण प्राधिकारी ने स्वीकार नहीं किया था जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि समीक्षा की शुरुआत जनवरी, 2007 में ही हुई थी । आवेदकों ने मूल आवेदन में कमियों और गलतियों का सुधार करके 20 नवंबर, 2006 को संशोधित आवेदन प्रस्तुत किया । प्राधिकारी द्वारा यथा आरंभित समीक्षा नियमावली के नियम-22 में उल्लिखित शर्तों की प्रथम दृष्टया पूर्ति पर संशोधित आवेदन के आधार पर की गई है । आवेदकों ने प्रथम दृष्टया यह सिद्ध किया कि वे मूल जांच के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात करने वाले किसी निर्यातक से संबंधित नहीं थे और इसलिए अलग-अलग शुल्क दरों या अवशिष्ट दरों के जरिए पाटनरोधी शुल्क के अधीन नहीं थे । आवेदकों ने प्रथम दृष्टया यह भी सिद्ध किया कि वे भारत के लिए संबद्ध वस्तु के नए उत्पादक और निर्यातक थे तथा शुल्क के लागू रहने के दौरान ही अस्तित्व में आए थे और इसलिए उन्होंने स्वयं मूल जांच के दौरान संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया था ।

16. प्राधिकारी नोट करते हैं कि समीक्षा हेतु शर्तों की जांच शुरुआत से पूर्व की जांच निर्णयात्मक जांच नहीं होती है । प्राधिकारी के समक्ष आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर समीक्षा की शुरुआत के लिए दो शर्तों की प्रथम दृष्टया पूर्ति करना अपेक्षित होता है और उनकी आगे की जांच ब्यौरेवार जांच की विषय वस्तु है जिसे जांच शुरुआत से पहले समाप्त नहीं किया जा सकता है । अतः समीक्षा की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने न्यू शिपर के रूप में उनके दर्जे और संबद्ध देश के अन्य उत्पादकों तथा निर्यातकों, जिन पर शुल्क लागू है, के साथ उनके संबंध के तथ्यों के सही होने समेत आवेदकों के दावों की आगे की जांच की है और इन पर इन जांच परिणामों में उचित स्थानों पर विचार किया गया है ।

17. जहां तक मैसर्स साय इंटरनेशनल के निर्यातक के दर्जे का संबंध है, जैसा कि इन जांच परिणामों के संगत खंडों में नोट किया गया है यह कंपनी हांगकांग में पंजीकृत है और इसने चीन से निर्यात कार्यकलाप करने के लिए गुआंगझाऊ, चीन जन.गण. में अपना कार्यालय स्थापित किया है । संस्था के ज्ञापन और विधानों तथा कंपनी पंजीयक, हांगकांग द्वारा जारी अधिनिगमन प्रमाण पत्र के अनुसार यह कंपनी विभिन्न देशों में व्यापारिक कार्यकलाप करने के लिए दो भारतीय नागरिकों द्वारा हांगकांग में दिनांक 7 अगस्त, 1998 को स्थापित की गई थी । तथापि, मैसर्स सी.के.लीयु एंड कंपनी, हांगकांग के प्रमाणित सार्वजनिक लेखाकार द्वारा दिनांक 17 जनवरी, 2007 के

प्रमाणपत्र के अनुसार मैसर्स साय इंटरनेशनल ने वर्ष 1998 से 2004 तक कोई व्यापार शुरू नहीं किया है। इसके अलावा, 2004 से 2006 तक के कंपनी के तुलन पत्र में किसी खास व्यापारिक कार्यकलाप को नहीं दर्शाया गया है। इस कंपनी ने चीन से व्यापारिक कार्यकलाप करने के लिए दिनांक 15 जुलाई, 2003 को अपना चीन का कार्यालय स्थापित किया। कंपनी ने दिनांक 7.8.03 से 6.8.04, 7.8.04 से 6.8.05, 7.8.05 से 6.8.06, और 7.8.06 से 6.8.07 की अवधि के लिए व्यापार पंजीकरण प्रमाणपत्रों के साथ चीन में विदेशी उद्यम के स्थायी कार्यालय के पंजीकरण प्रमाणपत्र की एक प्रतिलिपि भी प्रस्तुत की है। अतः इस निर्यातक के दर्जे के मामले में कोई विरोधाभास नहीं है जैसा कि एच एंड आर जानसन (एचआरजे) द्वारा आरोप लगाया है।

18. उत्पादक मैसर्स फोशान नान हाई जिंग यु सेरामिक्स लि., फोसान चीन के स्वामित्व के दर्जे और निर्यातक मै. साय इंटरनेशनल के साथ उसके संबंधों की जांच की गई है और यह नोट किया गया था कि उत्पादक कंपनी के स्वामी 2 चीनी व्यक्ति हैं और निर्यातक कंपनी जो हांगकांग में पंजीकृत है, दो भारतीयों की है। इसलिए, स्वामित्व अथवा प्रबंधन नियंत्रण के अनुसार किसी संबंध का पता नहीं चल पाया है। केवल एक संबंध जो मौजूद है वह एकमात्र एजेंसी का है और इन दो पक्षकारों द्वारा भारत को उत्पादक द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु के निर्यात हेतु दिनांक 17 जुलाई, 2006 को दोनों पक्षकारों द्वारा किए गए अनन्य विपणन करार का है।

19. मैसर्स एच एंड आर जानसन ने भी आवेदकों के गोपनीयता संबंधी दावों के मुद्दे को उठाया है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदकों ने अपने स्वामित्व घरेलू और निर्यात बिक्रियों तथा उत्पादन लागत के बारे में व्यावसायिक दृष्टि से संवेदनशील सूचना पर गोपनीयता का दावा किया है तथापि, ऐसी सूचना की गोपनीय प्रकृति को आवश्यक महत्व देते हुए प्राधिकारी ने जहां तक ऐसा प्रकटन आवश्यक था और इन्हें देने वाले पक्षकार की वाणिज्यिक रूप से संवेदनशील सूचना को प्रकट किए बिना सारांशीकरण संभव था, प्रकटन विवरण में इस सूचना के सार रूप को शामिल किया है। जहां तक सार्वजनिक फोल्डर में निर्यातक के सत्यापन की रिपोर्ट को रखने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि न तो यह कानून के अंतर्गत ऐसी कोई अपेक्षा है और न ही करार के अंतर्गत। चूंकि निर्यातक के सत्यापन में सत्यापन किए जाने वाले पक्षकार की काफी संवेदनशील गोपनीय सूचना की जांच शामिल होती है और अगोपनीय प्रकटन बनाते समय वाणिज्यिक रूप से संवेदनशील सूचना की गोपनीयता को बनाए रखने में आने वाली कठिनाइयों के कारण सत्यापन रिपोर्ट के अगोपनीय प्रकटन की प्रक्रिया को प्राधिकारी ने समाप्त कर दिया है। अतः आवेदक की सत्यापन रिपोर्ट अन्य पक्षकारों को उपलब्ध नहीं कराई गई है।

20. मैसर्स एच एंड आर जानसन (एचआरजे) ने आगे यह तर्क दिया है कि आवेदकों ने शुल्क के अपवंचन के इरादे से जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु की कम मात्रा का निर्यात किया है और इसलिए प्राधिकारी को समीक्षा का निर्णय लेते समय अपवंचन के पहलुओं की जांच करनी चाहिए थी। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम-22, जिसके अंतर्गत ऐसी समीक्षाएं की जाती हैं में न्यू शिपर के लिए पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु निर्यात की किसी न्यूनतम मात्रा अथवा परिमाण को निर्दिष्ट नहीं किया गया है। अतः जांच अवधि के दौरान निर्यातक द्वारा निर्यातित मात्रा का परीक्षण जैसा कि तर्क दिया गया है, उसके कम होने के लिए, उसे ऐसी जांच के अधीन रखे बिना संभव नहीं है। प्रत्येक मामले में घरेलू उद्योग यदि बाद में ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो ऐसी समीक्षा के परिणामस्वरूप न्यू शिपर के प्रावधानों का अपवंचन करके पाटन की पुनरावृत्ति हेतु आवेदन करने के लिए मुक्त है और इस उपाय को नियम 23 के अंतर्गत आवधिक समीक्षा के अधीन रखा जा सकता है। इसलिए इस संबंध में एचआरजे के तर्क तर्कसंगत नहीं हैं।

21. जहां तक उत्पादक के दो कारखानों की मौजूदगी और बिचौलिये निर्यातकों के संबंध में तथ्यों को छिपाने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन संबद्ध वस्तु विट्रीफाइट पोर्सलेन टायल्स हैं और इसका विनिर्माण आवेदक उत्पादक की पॉलिसिंग इकाई में किया जा रहा है। तथापि, टायल का रूप जो इस संयंत्र की निविष्टियां हैं, का विनिर्माण मैसर्स फोसानान नान हाई लीजिंग सिरामिक कंपनी लि. के मूल स्वामित्व वाले संयंत्र में किया जाता है। इस इकाई की संयंत्र एवं मशीनरी आवेदक उत्पादक को बेची गई हैं और भूमि दीर्घावधिक पट्टे के आधार पर आवेदक उत्पादक को हस्तांतरित की गई है। इसने एक टायल संबंधी इकाई होने के नाते भारत को विट्रीफाइट टायलों का निर्यात नहीं किया होगा जैसा कि एचआरजे द्वारा आरोप लगाया गया है। संयंत्र और मशीनरी के खरीद संबंधी करार और भूमि के पट्टे पक्षकार द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं जिनके साथ परिसंपत्तियों का मूल्यांकन भी है। चीन में भूमि सरकार की है और यह उसी की रहती है चाहे भूमि के प्रयोग के पट्टे के अधिकार हस्तांतरित कर दिए जाएं।

22. प्रकटन में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि उत्पादक दो व्यापारिक कंपनियों अर्थात् मैसर्स हुंगयुन और मैसर्स जिंग जांग वेई के जरिए अन्य देशों को संबद्ध देशों का निर्यात कर रहे हैं क्योंकि उनके पास अपना निर्यात लाइसेंस नहीं है। तथापि, भारत को निर्यात केवल मैसर्स हुंगयुन के जरिए किए गए थे जिनका निर्यात लाइसेंस भारत को निर्यात हेतु प्रयोग किया गया है। जबकि मैसर्स साय इंटरनेशनल चीन से वास्तविक शिपर हैं। यद्यपि हुंगयुन ने प्रश्नावली का अलग से उत्तर नहीं दिया है, तथापि भारत को निर्यात सौदों में शामिल सभी पक्षकारों के बीच सौदों को आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराया गया है और इनकी जांच की गई है तथा शामिल पक्षकारों के सभी प्रत्यक्ष खर्चों के लिए उनके

रिकार्डों के अनुसार आवश्यक समायोजन किए गए हैं । हुंगयुन के बिक्री खर्चों और मार्जिनों को कारखाना द्वार निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए समायोजित किया गया है । अतः एचआरजे के तर्क वैध नहीं हैं ।

23. जहां तक उत्पादक के बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे और चीन जन.गण. में अन्य कंपनियों के साथ उसके संबंध जिसे उनके द्वारा प्रकट नहीं करने का आरोप लगाया गया है और सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के निर्धारण की पद्धति के मुद्दों का संबंध है, इनका समाधान किया गया है और इनके संगत होने की सीमा तक अलग-अलग खंडों में इन्हें स्पष्ट किया गया है और आवश्यक सुधारों के साथ इन्हें शामिल किया गया है ।

24. एचआरजे के इन तर्कों कि निर्यातक मै. साय इंटरनेशनल के संबद्ध आयातक की अंतिम बिक्री कीमत पर निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु विचार किया जाना चाहिए, के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध आयातक मै. साय इम्पैक्स की अंतिम बिक्री कीमत की जांच की गई है और सीमाशुल्क तथा सीमाशुल्क निकासी के समय की सभी अन्य लेवियों एवं अन्य खर्चों तथा आयातक के लिए एक तर्कसंगत मार्जिन हेतु समायोजन के बाद साय इम्पैक्स द्वारा आयातित वस्तुओं का निवल बिक्री मूल्य साय इंटरनेशनल के सीआईएफ निर्यात मूल्य से काफी अधिक पाया गया था । अतः निर्यात कीमत को निर्यातक की निर्यात कीमत के आधार पर सही ढंग से निर्धारित किया गया है ।

#### घ. न्यू शिपर के दावों की जांच

25. इस न्यू शिपर हेतु आवेदन मैसर्स फोसान नानहाई जिंग यू सेरामिक्स लि., फोसान, चीन (जिन्हें बायोमा सेरामिक्स के नाम से भी जाना जाता है) ने विट्रीफाइट पोर्सलीन टायलों के उत्पादक के रूप में और मैसर्स साय इंटरनेशनल लि., हांगकांग ने उस देश से संबंध वस्तु के शिपर के रूप में प्रस्तुत किया था ।

26. आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर संभव सीमा तक सूचना का सत्यापन किया गया था । जांच से यह पता चला था कि जुलाई, 2005 में 3 अलग-अलग शेयर धारक फोसान में विट्रीफाइट पोर्सलीन टायलों के उत्पादन हेतु मैसर्स फोसान नानहाई जिंग यू सेरामिक्स लि. के नाम और प्रकार की एक निजी लिमिटेड कंपनी के गठन हेतु एक करार में शामिल हुए थे (\*\*\*%,\*\*\*%,\*\*\*% की शेयरधारिता के साथ ) । इस करार के आधार पर स्थानीय सरकार ने दिनांक 30 अगस्त, 2005 को कंपनी के नाम के अनुमोदन का एक अग्रिम नोटिस दिया था, उक्त अग्रिम अनुमोदन के अनुसार प्रस्तावित कंपनी को उक्त नाम से बैंक खाता खोलने और पंजीकरण के औपचारिक अनुमोदन तक उसे चलाने की अनुमति मिली थी । तथापि, इनमें से एक निवेशक निवेश के अपने दायित्व को पूरा नहीं कर पाया था और अंततः कंपनी का गठन दो शेयरधारकों के साथ

हुआ था और कंपनी को केवल 2 शेयरधारकों के साथ \*\*\*% और \*\*\*% की शेयरधारिता के साथ \*\*\* आरएमबी के कुल इक्विटी योगदान से जनवरी, 2006 में औपचारिक रूप से निगमित किया गया था ।

27. स्थापना के अधीन नई कंपनी के पंजीकरण हेतु आवेदन के पश्चात इसने एक दीर्घावधिक पट्टा खरीद करार पर श्री पेन ली इंग के स्वामित्व वाली एक अन्य कंपनी अर्थात् मैसर्स फोसान नानहाई लीजिंग सेरामिक कंपनी लि. से पुराने टायल बॉडी संयंत्र को खरीदा था और अक्टूबर, 2005 में विट्रीफाइड टायलों के प्रायोगिक उत्पादन की शुरुआत के लिए एक नई टायल पॉलिसिंग इकाई की स्थापना की थी । तथापि, कंपनी के औपचारिक निगमन के बाद जनवरी, 2006 में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हुआ था । व्यापारिक लाइसेंस के अलावा कंपनी ने स्थानीय सरकार से मिला प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है जिसमें कंपनी की स्थापना की तारीख और स्वामित्व संबंधी स्थिति को प्रमाणित किया गया है । कंपनी ने गुआंगडोंग जॉंगसिन जिनचैन लॉयर कार्यालय से प्राप्त एक प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत किया है जिससे यह पुष्टि होती है कि इस कंपनी के शेयरधारक किसी अन्य कंपनी में शामिल नहीं हैं । कंपनी के रिकार्डों के अनुसार इस कंपनी का इसके निर्यात कार्यकलापों में शामिल व्यापारिक कंपनियों के साथ कोई संबंध नहीं था । मै. हुंगयुन ने भी यह प्रमाणित करने वाला एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया था कि वर्ष 2006 में एक सौदे के अलावा उन्होंने भारत को संबद्ध वस्तु का कोई निर्यात नहीं किया था ।

28. मै. साय इंटरनेशनल, हांगकांग में एक निजी लिमिटेड कंपनी के रूप में अधिनिगमित एक कंपनी है । कंपनी ने चीन में निर्यात प्रचालन करने के लिए गुआंगझाऊ, चीन में एक कार्यालय की स्थापना की है । कंपनी के तुलन पत्रों की जांच से यह संकेत मिलता है कि इस पक्षकार ने लंबे समय से कोई खास कार्य नहीं किया है और संबद्ध वस्तु का कोई निर्यात कार्यकलाप नहीं किया है । कंपनी के तुलनपत्र के अनुसार कंपनी ने किसी कंपनी में या चीन में किसी अन्य व्यापार में कोई निवेश नहीं किया है । दिनांक 17 जुलाई, 2006 के एक करार द्वारा साय इंटरनेशनल एक अकेली एजेंसी के रूप में शामिल हुई है और उसके पास भारत को संबद्ध वस्तु के निर्यात हेतु यथाउल्लिखित उत्पादक के साथ अनन्य वितरण संबंधी संविदा हैं । इस पक्षकार ने आवेदन करने से पहले भारत को संबद्ध वस्तु का कोई निर्यात कार्यकलाप नहीं किया था । समीक्षा की शुरुआत के बाद इस पक्षकार ने भारत को मैसर्स फोसान नान हाई जिंगयू सेरामिक्स लि. द्वारा विनिर्मित संगत वस्तु के केवल एक परेषण का नौवहन किया है ।

29. अंतः आवेदक उत्पादक एवं निर्यातक नई सत्ताएं हैं जिन्होंने 2006 में ही प्रचालन शुरू किया था और वे मूल जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के किसी निर्यात कार्यकलाप में शामिल नहीं थे । ये दो कंपनियां और उनके शेयरधारक चीन में संबद्ध



वस्तु के ऐसे किसी अन्य उत्पादक या निर्यातक से संबंधित नहीं हैं, जिन्होंने मूल जांच की जांच अवधि के दौरान कोई निर्यात कार्यकलाप किया था। अतः वे नियमावली के नियम 22 में दी गई शर्तों को पूरा करते हैं और संबद्ध वस्तु के नए शिपर के रूप में अलग से पाटन मार्जिन के लिए पात्र हैं।

#### ड बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों और अलग-अलग पाटन मार्जिन की जांच

30. उत्पादक कंपनी का बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उनकी घरेलू बिक्रियों, उत्पादन लागत और निर्यात बिक्रियों संबंधी ब्यौरों को आवेदक उत्पादक के सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सत्यापित किया गया था।

(i) आवेदक उत्पादकों के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों की जांच: मैसर्स फोसान नानहाई जिंगयु सेरामिक्स लिमिटेड, फोसान, चीन जन.गण.

31. जैसा कि पहले नोट किया गया है, मैसर्स फोसान नानहाई जिंगयु सेरामिक्स लिमिटेड का गठन जुलाई/अगस्त, 2005 में \*\*\*%, \*\*\*%, \*\*\*% की शेयरधारिता के साथ कंपनी के गठन हेतु सहमत 3 व्यक्तिगत शेयरधारकों के बीच एक करार के आधार पर एक प्रस्तावित कंपनी के रूप में किया गया था। इस कंपनी ने प्रस्तावित कंपनी के पंजीकरण हेतु स्थानीय सरकार को आवेदन किया था और दिनांक 30 अगस्त, 2005 को कंपनी के नाम के अनुमोदन का अग्रिम नोटिस जारी किया गया था जिसमें प्रस्तावित कंपनी को बैंक अकाउंट खोलने और उसका प्रचालन करने तथा उत्पादन सुविधाओं की स्थापना की अनुमति दी गई थी। कंपनी को 500000 आरएमबी के कुल इक्विटी योगदान के साथ \*\*\*% और \*\*\*% की शेयरधारिता के साथ कंपनी का गठन करने वाले केवल दो शेयरधारकों सहित जनवरी, 2006 में औपचारिक रूप से अधिनिगमित किया गया था। तीसरा निवेशक जिसने शुरू में निवेश करार पर हस्ताक्षर किए थे, निवेश की अपनी वचनबद्धता को पूरा नहीं कर पाया और कंपनी में शामिल नहीं हुआ।

32. स्थापना के अधीन यह प्रस्तावित कंपनी टायल बॉडी के निर्माण हेतु मैसर्स फोसान नान हाई लीजिंग सेरामिक कंपनी लिमिटेड नाम एक पुराने टायल बॉडी संयंत्र के मालिक श्री पेनलीइंग के साथ खरीद करार में शामिल हुई थी। कंपनी ने अक्टूबर, 2005 में प्रायोगिक उत्पादन शुरू करने के लिए एक नई टाइल पॉलिसिंग इकाई की भी स्थापना की थी। कंपनी के औपचारिक अधिनिगमन के बाद जनवरी, 2006 में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हुआ था।

33. टायल बॉडी बनाने की इकाई की स्थापना 1998 में की गई थी और यह मूलतः श्री पानलीइंग के स्वामित्व वाली मैसर्स फोसान नान हाई लीजिंग सेरामिक कंपनी

लिमिटेड की थी। आवेदक उत्पादक ने इस इकाई से संयंत्र और मशीनरी इसके पूर्ववर्ती मालिक के साथ दिनांक 26 जुलाई, 2005 की संविदा के अनुसार \*\*\* मिलियन आरएमबी के कुल मूल्य पर पूर्णतः खरीद आधार पर हासिल की है। खरीद की प्रक्रिया पक्षकारों के बीच बातचीत के जरिए हुई थी और भुगतान नकद में किया गया था जिसके लिए कंपनी द्वारा मूल्यांकन रिपोर्ट संयंत्र और उपकरणों की सूची तथा भुगतान के ब्यौरे प्रस्तुत किए गए हैं। कंपनी ने गुआंगझाऊ झोंग शेन जो प्रमाणित सार्वजनिक लेखाकार हैं, द्वारा परिसंपत्तियों के सत्यापन के प्रमाणपत्र की एक प्रतिलिपि भी प्रस्तुत की है जिसमें परिसंपत्तियों की खरीद कीमत और उन पर अदा किए गए कर को दर्शाया गया है।

34. इस इकाई की भूमि और भवन (\*\*\* वर्ग मीटर) को आवेदक उत्पादक कंपनी द्वारा दिनांक 5 जुलाई, 2005 से 4 जुलाई, 2025 तक के दीर्घावधिक (20 वर्ष) पट्टे के आधार पर 3 लाख आरएमबी के वार्षिक पट्टा किराए पर जो प्रत्येक तीसरे वर्ष लगभग \*\*\*% तक के संशोधन के अधीन है, हासिल किया गया है। यह स्पष्ट किया गया है कि यह भूमि वास्तविक रूप से चीनी कानून के अनुसार ग्रामीण समुदाय की है। पट्टा किराया का भुगतान केवल पट्टा अवधि के लिए भूमि के उपयोग अधिकार हेतु किया जाता है और यह राशि मूल मालिक के जरिए सरकार को दी जाती है। पट्टा संविदा की प्रतिलिपि सत्यापन हेतु प्रस्तुत की गई थी।

35. जहां तक पॉलिसिंग संयंत्र का संबंध है, यह इस कंपनी के स्थापना के पश्चात अलग स्थान पर स्थापित एक नया संयंत्र है, जिसका क्षमता \*\*\* वर्ग मीटर प्रति वर्ष है। नए संयंत्र के लिए संयंत्र और मशीनरी कंपनी द्वारा शेयरधारकों से अल्पकालिक ऋण के रूप में जुटाई गई पूंजी से खुले बाजार से खरीदे गए हैं। यह नोटिस किया गया था कि टायल बॉडी निर्माण संयंत्र की परिसंपत्तियों को हासिल करने के प्रयोजनार्थ और नई पॉलिसिंग इकाई की स्थापना हेतु कंपनी ने कंपनी के शेयरधारकों से नकद अंशदान के रूप में \*\*\* मिलियन का अल्पावधिक ऋण लिया है। तथापि, अल्पावधिक ऋणों के लिए शेयरधारकों को किसी ब्याज के भुगतान का कोई साक्ष्य नहीं दर्शाया गया था। चूंकि रिकार्डों के अनुसार कंपनी ने ऋण के रूप में शेयरधारकों से जुटाई गई पूंजी पर कोई ब्याज नहीं लिया है और अल्पावधिक ऋणों पर एक धारणात्मक ब्याज राशि प्रभारित की जानी है इसलिए उत्पादन लागत और बिक्रियों के निर्धारण हेतु जांच अवधि के दौरान फोसान, चीन में प्रचलित लगभग \*\*\*% की बाजार ब्याज दर (इस अवधि के दौरान चीन में औसत ब्याज दर पर आधारित) ली गई है।

36. प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों के उन तर्कों को नोट करते हैं कि चूंकि उत्पादक कंपनी अल्पावधिक ऋणों पर ब्याज नहीं देती है, इसलिए वे निर्यात के देश में जीएएपी

का पालन नहीं करते हैं और इसलिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जा नहीं दिया जाना चाहिए । इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि ये ऋण कंपनी के समर्थकों से व्यक्तिगत ऋण के रूप में लिए गए हैं जिन पर अंशदाताओं ने कोई ब्याज प्रभारित नहीं किया है । तथापि, इस पूंजीगत अंशदान जिस पर कोई ब्याज प्रभारित नहीं किया गया है, के कारण कंपनी को होने वाले लाभ को इस ऋण पूंजी की लागत पर ब्याज लागत को जोड़कर निष्क्रिय किया गया है ।

37. कच्ची सामग्री और अन्य निविष्टियों की खरीद की जांच की गई है । टायल बॉडी इकाई मूलभूत कच्ची सामग्रियों अर्थात् पत्थर/रेत/मिट्टी, अन्य रसायन और ईंधन खुले बाजार से खरीदती है । बिजली की खरीद राज्य के स्वामित्व वाली बिजली आपूर्ति कंपनी से की जा रही है । कच्ची सामग्री की खरीद कंपनी से असंबद्ध अनेक आपूर्तिकर्ताओं तथा सरकार की जिनमें कोई धारिता नहीं है, से की गई है । यह दावा किया गया था कि कच्ची सामग्रियां बाजार कीमतों पर खुले बाजार से खरीदी गई थीं और राज्य इन सामग्रियों की खरीद या कीमत निर्धारण में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं था । यह भी दावा किया गया था कि प्रमुख कच्ची सामग्रियों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता न तो आवेदक कंपनियों से संबंधित थे और न ही राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम थे ।

38. उत्पादक कंपनी प्राथमिक रूप से घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कर रही है और बाजार मांग के आधार पर उत्पादन और बिक्रियों के संबंध में मुक्त रूप से निर्णय लेती है और उनके रिकार्डों से इस संबंध में कुछ भी प्रतिकूल प्राप्त नहीं हुआ है । न्यू शिपर के दावे की जांच पर यह पाया गया था कि घरेलू बाजार में काफी मात्रा में संबद्ध वस्तु की बिक्री हुई थी और बिक्री कीमत/मात्राओं के निर्धारण के संबंध में राज्य के शामिल होने का कोई साक्ष्य नहीं पाया गया था । यह भी देखा गया था कि घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्रियां अलग-अलग उपभोक्ताओं को अलग-अलग कीमतों पर की गई थीं परंतु व्यापक अंतर नहीं पाया गया था । घरेलू या निर्यात बिक्रियां प्रति उपभोक्ता अलग-अलग थीं जो बाजार में मांग और पूर्ति की स्थिति पर निर्भर करता है ।

39. एचआरजे ने बिजली की लागत और चीन की सरकार द्वारा विनिमय दर के नियंत्रण के मुद्दे को उठाया है । इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि बिजली की आपूर्ति राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों द्वारा की जाती है परंतु बिजली एवं पानी पर उनकी खपत की प्रकृति के अनुसार प्रभार लगाया जाता है और संबंधित बिजली/जलापूर्ति कंपनी द्वारा प्रचलित कीमतें प्रभारित की जाती हैं । तथापि, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी संभव अधिमानी व्यवहार का कोई साक्ष्य नहीं पाया गया था । आपूर्तिकर्ता द्वारा प्रभारित कीमत अलग-अलग समय में अलग-अलग थी जैसे पीक, मिड-पीक और गैर-

पीक घंटों में अलग-अलग । पीक और मिड पीक घंटों के लिए प्रति युनिट प्रति इकाई कीमत गैर-पीक घंटों की कीमत से अधिक है ।

40. जहां तक श्रमिकों को लगाने का संबंध है, कंपनी का यह दावा है कि रोजगार संबंधी सभी निर्णय कंपनी द्वारा स्वयं लिए जाते हैं । कंपनी के पास कर्मचारियों को रखने की उनकी पद्धति के संबंध में पूर्ण स्वतंत्रता है और उन्हें काफी अल्पावधिक नोटिस पर काम से निकाला जा सकता है । उन्होंने दावा किया है कि चीन की सरकार आवास, चिकित्सीय देखभाल आदि जैसे कोई लाभ प्रदान नहीं करती है ।

41. कंपनी को चीन के सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार उसके लेखों का रख-रखाव करते हुए पाया गया था । कंपनी लाभ और हानि का मासिक विवरण रखती है जो कर प्राधिकरण के समक्ष वैट प्रस्तुत करने के साथ लाभ एवं हानि विवरण प्रस्तुत करने के लिए जरूरी है । कंपनी के लेखाओं को लेखा परीक्षकों द्वारा परीक्षित किया जाता था और कंपनी द्वारा पालन की गई लेखांकन प्रक्रियाओं के संबंध में लेखा परीक्षा रिपोर्ट में कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं पायी गई थी ।

42. जहां तक दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के लागू होने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन में ऐसे कानून मौजूद हैं और ये चीन की कंपनी कानून के अंतर्गत कार्य करने वाले सभी उद्यमों पर लागू होते हैं । कंपनी उक्त कानूनों के अंतर्गत संपत्ति प्राप्त करने और उसका निपटान करने के लिए स्वतंत्र है । कंपनी ने दावा किया है कि दिवालियापन कानून किसी फर्म पर तब लागू होता है जब वह फर्म दिवालिया हो जाती है और बकायों के निपटान के संबंध में व्यौरों का अभिशासन दिवालियापन कानून के अंतर्गत बनाए गए कानून द्वारा किया जाता है ।

43. जहां तक एचआरजे द्वारा उठाए गए विनिमय दर के मुद्दे का संबंध है, यह एक समष्टि आर्थिक मुद्दा है और कंपनी के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जे का निर्णय केवल इस मुद्दे के आधार पर नहीं लिया जा सकता है । कंपनी की निर्यात आय का परिवर्तन सौदे की तारीख को प्रचलित विनिमय दर के अनुसार चीनी मुद्रा में किया जाता है ।

44. उपर्युक्त जांच से यह पता चलता है कि पूर्ववर्ती बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से कोई खास विकृतियां सामने नहीं आई हैं और आवेदक उत्पादक उसके वाणिज्यिक कार्यकलापों में राज्य के किसी खास हस्तक्षेप के बिना बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी सिद्धांतों के अंतर्गत प्रचालन कर रहा है । उपर्युक्त के मदेनजर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 1 से 6 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण उचित है ।

## (ii) उत्पादन लागत और घरेलू बिक्रियां

45. कंपनी भिन्न-भिन्न आकारों अर्थात् 500 x 500; 600 x 600; 800 x 800; और किस्मों अर्थात् डबल लोडिंग (डीएल), घुलनशील लवण (एसएस), क्रिस्टल डबल लोडिंग (सीएल), प्योर कलर (पीसी), और क्रिस्टल येलो (सीवाई) की टाइलों में टाइलों की बॉडी और विट्रीफाइड टाइलों का उत्पादन करती है। तथापि, उन्होंने टाइलों की केवल दो किस्मों अर्थात् एसएस और सीएल का जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात किया है।

46. उत्पादन लागत और बिक्रियों में विकृतियों, यदि कोई हों की भी जांच की गई है और प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने शेयर होल्डरों से लिए गए ऋणों पर ब्याज जिसके लिए ब्याज लागत हेतु एक धारणात्मक समायोजन किया गया है, के अलावा पूंजीगत परिसंपत्तियों के अधिग्रहण और अन्य प्रचालनात्मक व्ययों के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। इसके अधीन संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत की जांच प्रचालन की प्रकृति के संबंध में उपर्युक्त अभिमतों और कंपनी की स्थिति के मद्देनजर कंपनी के रिकार्डों से की गई है। वित्तीय लागत के कारण कंपनी को मिले लागत लाभों को ऊपर यथा इंगित ढंग से निष्क्रिय किया गया है। अलग-अलग किस्मों की उत्पादन लागत जो इस प्रकार निर्धारित है, की तुलना व्यापार की सामान्य प्रक्रिया हेतु घरेलू बिक्री कीमत के साथ की गई है।

47. बायोमा ने उसके द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं की दो किस्मों की घरेलू बिक्रियां की हैं। उसने निर्यातों हेतु निर्यात व्यापार कंपनियों को भारी मात्राओं में बिक्री की है और घरेलू बाजार में भी घरेलू खपत हेतु बिक्री की है। घरेलू बाजार में बिक्रियां और निर्यात प्रयोजनों हेतु बिक्रियां उनके उत्तर के दो पृथक अनुबंधों में दी गई हैं। कंपनी ने 3 आकारों में संबद्ध वस्तु की चार किस्मों की बिक्री की है तथापि, जांच अवधि के दौरान भारतीय बाजार में केवल एसएस और सीएल किस्मों की बिक्री की गई है। घरेलू बाजार में इन दो ग्रेडों की बिक्रियां पर्याप्त मात्रा में की गई हैं और बिक्रियां असंबद्ध पक्षकारों को की गई हैं।

48. घरेलू बिक्रियां कारखाना द्वार स्तर पर की गई हैं और घरेलू बिक्रियों के विरुद्ध भुगतान अग्रिम रूप में प्राप्त किए गए हैं। अतः उत्पादक द्वारा कारखाना द्वार कीमत के निर्धारण हेतु किसी अन्य बिक्री व्यय या किसी समायोजन का दावा नहीं किया गया है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू बाजार में उपर्युक्त दो किस्मों की औसत बिक्री कीमत जांच अवधि के दौरान इन दो किस्मों की परिकलित औसत उत्पादन लागत, ब्याज व्ययों की लागत को समायोजित करने के बाद, से कम थी। अतः चीन में इस उत्पादक के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बिक्री सौदों पर विचार नहीं किया जा सकता है।

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एचआरजे ने प्रकटन पर अपनी टिप्पणियों में यह तर्क दिया है कि यह स्वीकार करते हुए कि उक्त निर्यातक भारत को निर्यातित प्रकारों के लिए अपनी घरेलू बिक्रियों पर घाटा उठा रहा है, प्राधिकारी को यह रिकार्ड करना चाहिए था कि किन आधारों पर वह इन निष्कर्षों पर पहुंचा है कि इस मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण धारा 9 क(1)(ग)(ii)(क) अर्थात् निर्यातक देश से निर्यात कीमत या उचित तीसरे देश के क्षेत्र की निर्यात कीमत के आधार पर नहीं किया जा सकता है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि न तो ऊपर उल्लिखित नियम और न ही पाटनरोधी करार में ऐसी स्थिति में सामान्य मूल्य के निर्धारण की पद्धति में किसी पूर्ववर्ती बात की कोई व्यवस्था है जिसमें निर्यात के देश में सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातक के निर्यात के देश में घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर नहीं किया जा सकता है। न तो जांच परिणाम में इस बात को रिकार्ड करने की कोई जरूरत है कि सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु तीसरे देश को निर्यात बिक्रियों को क्यों नहीं स्वीकार किया जा सकता है। तथापि, प्राधिकारी ने अन्य देशों को संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत की जांच की है और यह पाया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन लागत और सामान्य प्रशासनिक एवं बिक्री खर्चों जमा एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन के आधार पर करना इस मामले में निर्धारण की उचित पद्धति है।

50. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकार (एचआरजे) ने प्रकटन विवरण के संबंध में अपनी टिप्पणियों में यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 4 के अनुसार उत्पादक द्वारा अर्जित लाभ मार्जिन को अपनाना चाहिए था। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी के रिकार्डों के अनुसार कंपनी ने विचाराधीन उत्पाद की बिक्री मूल्य पर \*\*\*% का लाभ दर्ज किया है। अतः सामान्य मूल्य को हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों के अनुसार उपर्युक्त लाभ मार्जिन पर विचार करते हुए संशोधित किया गया है। तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

आरएमबी/प्रति वर्ग मीटर	उत्पाद प्रकार	
	एसएस	सीएल
	आरएमबी/प्रति वर्ग मीटर	आरएमबी/प्रति वर्ग मीटर
उत्पादन लागत	****	****
एसजीए व्यय	****	****
बिक्री लागत	****	****
लाभ 5.6%	****	****
सामान्य मूल्य	****	****

## (iii) भारत को निर्यात बिक्रियां

51. 2006 में स्थापित उत्पादक कंपनी के पास संबद्ध वस्तु का निर्यात करने के लिए निर्यात लाइसेंस नहीं है। वे मैसर्स फोसान होंग युन ट्रेड लि. कं., जो राज्य के स्वामित्व वाली व्यापारिक कंपनी है, के जरिए विभिन्न देशों को वस्तुओं का निर्यात कर रही थी। होंगयुन दिसंबर, 2006 तक बायोमा के लिए एकमात्र निर्यात एजेंट थी जिसके बाद उनकी अनन्य व्यापारिक संविदा समाप्त हो गई और जांच अवधि के दौरान विभिन्न देशों को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात एक अन्य निर्यातक ने भी किया। इस अवधि के दौरान कंपनी ने विभिन्न देशों को कुल \*\*\* वर्ग मीटर टाइलों का निर्यात किया जिसमें से \*\*\* वर्ग मीटर का निर्यात होंगयुन के जरिए किया गया था और शेष अन्य असंबंधित व्यापारिक कंपनी मैसर्स जिन जोंग वेई के जरिए निर्यात की गई थीं। कंपनी ने जांच अवधि के दौरान इन व्यापारिक कंपनियों के जरिए किए गए सभी निर्यातों की सूची एक पृथक अनुबंध में प्रस्तुत की है। जुलाई, 2006 में बायोमा ने मैसर्स साय इंटरनेशनल लिमिटेड, हांगकांग के साथ भारत को निर्यात व्यापार शुरू करने के लिए एक अकेली एजेंसी और अनन्य वितरक के रूप में संविदा की है।

52. जहां तक भारत को निर्यातों का संबंध है, जांच अवधि (फरवरी से जुलाई, 2007) के दौरान केवल 2 सौदे किए गए हैं। ये निर्यात चीन में होंग युन के जरिए बायोमा से और साय इंटरनेशनल हांगकांग से किए गए हैं। होंगयुन ने इस जांच में भाग नहीं लिया है। यह भी स्पष्ट किया गया था कि होंगयुन एक राज्य की व्यापारिक कंपनी है और उसका बायोमा के साथ कोई संबंध नहीं है। तथापि, नियमावली के अनुसार उत्पादक से भारत को होंगयुन के पूर्ववर्ती निर्यातों के संबंध में सूचना यदि कोई हो, मांगी गई थी। यह पाया गया था कि होंगयुन ने 2006 में एक परेषण और 2007 में एक अन्य परेषण का निर्यात किया था। इस प्रकार, मूल जांच की जांच अवधि के दौरान भारत को होंगयुन से कोई निर्यात नहीं किया गया था। अन्य व्यापारिक कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है।

53. बायोमा, होंगयुन और साय इंटरनेशनल के बीच सौदों के ब्यौरों की जांच की गई थी। यह नोटिस किया गया था कि बायोमा से होंगयुन को बिक्रियां घरेलू बिक्रियां थीं और उत्पादक ने होंगयुन के विरुद्ध वेट बीजक तैयार किए हैं। यह बीजक वेट की 17% की दर को शामिल करते हुए कारखाना द्वार स्तर पर आरएमबी युआन के रूप में हैं। इसके बदले में होंगयुन साय इंटरनेशनल पर बीजक तैयार करता है, जो एफओबी आधार पर अमरीकी डालर में होते हैं जबकि वस्तुओं का भारत को सीधे नौवहन किया जाता है। होंगयुन निर्यात परेषणों पर 13% की वेट वापसी का दावा करता है।





## (iv) पाटन मार्जिन

56. ऊपर यथा निर्धारित उपर्युक्त उत्पाद प्रकारों के कारखाना द्वार सामान्य मूल्य की तुलना कारखाना द्वार स्तर पर निर्धारित निर्यातक की निर्यात कीमतों के साथ पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु यथोक्त ढंग से की गई है, जो निम्नानुसार बनता है :

उत्पाद प्रकार	निर्यात मात्रा	सामान्य मूल्य अम.डॉ./वर्ग मीटर	निर्यात कीमत अम.डॉ./वर्ग मीटर	पाटन मार्जिन अम.डॉ./वर्ग मीटर
एसएस	****	****	****	****
सीएल	****	****	****	****
कुल	****	****	****	****
				1.5%

57. आवेदकों का पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक पाया गया है ।

## ड निष्कर्ष एवं सिफारिशें

58. नियमावली के नियम 22 के अनुसार यह समीक्षा करने के बाद और पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि

i. उत्पादक मै. फोसान नानहाई जिंग यू सेरामिक्स लिमिटेड फोसान चीन (जिसे बायोमा सेरामिक्स के नाम से भी जाना जाता है) और निर्यातक मै. साय इंटरनेशनल, हांगकांग ने स्वयं को भारत के लिए संबद्ध वस्तु के न्यू शिपर के रूप में स्थापित किया है और इसलिए वे पृथक पाटन मार्जिनों के लिए पात्र हैं ।

ii. मै. फोसान नानहाई जिंग यू सेरामिक्स लिमिटेड फोसान चीन (जिसे बायोमा सेरामिक्स के नाम से भी जाना जाता है) द्वारा विनिर्मित और निर्यातक मै. साय इंटरनेशनल, हांगकांग द्वारा निर्यातित विट्रीफाइड पोर्सलीन टाइलों का पाटन मार्जिन समीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक पाया गया था ।

59. अतः नियमावली के नियम 22 के अनुसार प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि मै. फोसान नानहाई जिंग यू सेरामिक्स लिमिटेड फोसान चीन (जिसे बायोमा सेरामिक्स के नाम से भी जाना जाता है) द्वारा उत्पादित और मै. साय इंटरनेशनल, हांगकांग द्वारा निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय-69 के अंतर्गत आने वाली विट्रीफाइड/पोर्सलेन टाइलों के आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाए ।

60. इस आदेश से उत्पन्न केन्द्र सरकार के आदेशों के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी ।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 14th February, 2008

### FINAL FINDINGS

**Sub. : Final Findings in the New Shipper Review Anti-dumping duty investigation concerning import of Vitrified Porcelain Tiles from China PR as applied by M/s. Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd. (Producer) and M/s Shye International Ltd., Hong Kong (Shipper).**

**No. 15/23/2006-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules).

#### A. Background and initiation

2. Whereas, having regard to the above Rules, vide notification dated 3<sup>rd</sup> December 2001, the Designated Authority recommended imposition of provisional antidumping duty on import of vitrified porcelain tiles (herein after referred to as subject goods) from China PR and Central Government, vide notification No. 50/2002-Customs dated 2.5.2002, imposed provisional antidumping duty on the subject goods, originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country). Vide notification dated 4<sup>th</sup> February 2003, the Authority recommended imposition of definitive antidumping duty and vide notification No.73/2003-Customs dated 01.05.2003, the Central Government imposed definitive antidumping duty on the subject goods originating in or exported from China PR.

3. And Whereas the Designated Authority received an application, on 24.07.2006, from M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd., (also known as Biaoma Ceramics) producer of the subject goods in China and M/s Shye International Ltd., Hong Kong, as the shipper of the subject goods from China PR (herein after jointly referred to as applicants), for initiation of a new shipper review investigation in terms of Rule 22 of the Rules. The above producer and exporter/shipper from China, in their application for initiation of the review under the above Rules, *inter alia* submitted that M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics

Ltd is a new producer of the subject goods in China and established the production facility for production of vitrified tiles in 2005 and therefore, did not export the product to India during the period of investigation. They also submitted that they are not related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subject to the antidumping duties on the product and intended to export the subject goods to India. The other party to the application M/s Shye International Ltd claimed to be company registered in Hong Kong, not related to any exporter or producer of the subject goods in the subject country and a had entered into an exclusive arrangement with the above producer in China PR for export of the subject goods manufactured by them as a new shipper.

4. The Authority sought additional information and clarification from the applicants in respect of their status as new shipper and their relationship with other exporters in China. The applicants filed necessary clarification and additional information and a revised application was filed by the applicants vide their letter dated 20<sup>th</sup> November 2006. On the basis of prima facie examination of the information submitted by the applicants in respect of their status as new producer/exporter of the subject goods the Authority initiated the above new shipper review under the above Rules, vide notification dated 25.01.2007, with a period of investigation as 1<sup>st</sup> February 2007 to 31st July 2007 (6 months) for detailed examination and determination of individual dumping margin for the applicants. Pending completion of the said review investigation and recommendation of the Authority, the exports made by the above applicants were subjected to provisional assessment in term of the said Rules.

#### **B. Procedure**

5. Following procedure has been followed in respect of this investigation

i. After initiation of the review the Authority notified the domestic industry and other interested parties with a request to make their views known within 40 days from the date thereof. The Authority notes that none of the other interested parties, including the domestic industry, filed any comments on the initiation of the review within the stipulated time.

ii. As per the initiation notification the applicants were required to file their questionnaire response within 40 days of the completion of period of investigation. Accordingly, the applicants filed their questionnaire response, and market economy questionnaire response for determination of their dumping margin in terms of the Rules. The information submitted by the applicants was examined and additional information were called for vide letters dated 18<sup>th</sup> September 2007 and 4<sup>th</sup> October 2007. The applicants submitted certain additional information vide their letters dated 26<sup>th</sup> September and 8<sup>th</sup> October 2007.

iii. The data submitted by the above applicants in their application for New Shipper Review and Questionnaire Responses were verified in terms of the relevant provisions of the Rules at their plants and offices at Foshan, China PR.

iv. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

v. The Authority has examined the confidentiality claims of the interested parties in respect of the data submitted by them. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties, alongwith non-confidential summary thereof, has been treated confidential. \*\*\* In this finding represents information furnished by all the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

vi. The Authority held a public hearing on 13<sup>th</sup> December 2007 to provide an opportunity to all interested parties to present their views. The oral submissions made by the parties during the public hearing, and reproduced in writing, have been taken on record for the purpose of this investigation.

vii. The Authority issued a disclosure statement on 7<sup>th</sup> January 2008 disclosing the essential facts under consideration which would form the basis of final determination and methodologies for such determination. Comments of the interested parties on the disclosure statement have been taken on record and the Authority has examined the issues raised therein to the extent they are relevant and substantiated, in this finding.

### **C. View of the interested parties**

#### **C.1 Views of H&R Johnson (India) Ltd.**

6. The Authority notes that the domestic industry in the original investigation has neither filed any submissions in respect of this investigation, nor attended the public hearing to express its views. Only one of the domestic producers i.e. M/s HR Johnson attended the public hearing and thereafter made a written submission. In its post public hearing submissions M/s HR Johnson has argued that vide final order No. 8/07-AD dated 27<sup>th</sup> August 2007 the Hon'ble CESTAT, in the case of HR Johnson (India) Ltd Vs Ministry of Finance & Ors, has held that initiation of new shipper review proceedings based on prospective period of investigation is bad in law and contrary to Rule 22. Quoting the above orders of the Hon'ble Tribunal this party has argued that since this new shipper review investigation has been initiated on the basis of a prospective POI the Authority has no jurisdiction to proceed further in this investigation.

7. H&R Johnson has also filed its comments on the disclosure statement as an interested party though the domestic industry has not participated in the investigation. The issues raised by H&R Johnson, in its post disclosure comments, have been summarized as follows. This interested party has inter alia argued that

- The Designated Authority, being a respondent in the case of H & R Johnson (India) Limited Versus Designated Authority, reported at 2007 (218) ELT. 273 (Tri. - Del.), could not have ignored the same while proceeding with the present case unless the same was stayed by a court of competent jurisdiction;
- The new shippers were not exporters to India on the date of making of the application to be eligible for a new shipper review in terms of Rule 22 as per the order of the Appellate Tribunal in the case of H & R Johnson (India) Limited Versus Designated Authority as above;
- The non-confidential version of the application has been filed by the exporter under a letter head where the location of the exporter is shown as China. However, the initiation Notification has been issued for an entity with the same name from Hong Kong. It very clear that the Chinese exporter had sought the status of new shipper while the initiation has been provided for an entity in Hong Kong. From a legal point of view which entity was claiming itself to be an exporter is important as the examination is required to be done accordingly;
- The producer claimed that they started commercial production in December 2005 while in the disclosure statement it has been stated that they were incorporated in January 2006. Therefore, there are inherent contradictions in statements made;
- It is interesting to note that Shye International Ltd. had not done any business from 1998 till 2004. If the application claimed that the exporter is a Chinese entity, it appears that this statement has been made in the context of Hong Kong entity. Interestingly, as per their letter head the Hong Kong office is only a post box number which is claimed to be their corporate office. Shye International is a company which has been established in 1970 contrary to the year of establishment submitted in the non-confidential version;
- It has been stated that exporter is an affiliate of the producer in the application dated 18.7.2006 filed by the producer. In the non-confidential version of the application filed through letter dated 22.1.2007, it has been claimed that the exporter company has only 3 shareholders and all of them are Indians. No examination on such claims of affiliation has been undertaken. Contrary to the above the exporter has filed a certificate dated 18.7.2006 wherein they have clearly stated that the Shareholders are not related to any producers in the country of export subject to anti-dumping duties. Further, producer has also filed similar certificate. In view thereof, the certificates are contradictory to application of the producer dated 18.7.2006;

- Excessive confidentiality has been claimed on numerous documents that were filed with the confidential version without providing reasons or non-confidential version of such documents. Such an approach is contrary to the law declared by the Hon'ble Supreme Court in *Sterile Industries case* and *H&R Johnsons case* mentioned above.
- It has been stated by the exporter that none of its affiliated company is involved in product concerned. The same is contrary to the application dated 18.7.2006 wherein the producer has itself claimed that they are an affiliate of M/s. Shye International Limited. Further, another related company called Shye Impex who is importer in the present case was also related to them. There are other Indian entities related to the very same exporter who are engaged in various activities. It appears from the response of the exporter that they have no other business operations except sale of subject goods to India through new shipper review whereas they have trading operations for a number of items for which information has been suppressed.
- The producer suppressed information about two plants that they have while providing answer to question No.3 under section A relating to General Information. Different names have been used for the same producer. They are referred to as Foshan Nanhai Jingyu Ceramics Co. Ltd., Bioma Ceramics, B&M and also with certain Chinese names not disclosed. It is quite likely that they operated under some different name during the original period of investigation and the present setup is only to circumvent duties.
- The producer has made negligible sales to ensure that they are able to show negative dumping margin for a prosperous period by shrewd planning. Such an approach clearly goes to show *manoeuvres* of the producer to circumvent duties by managing their export price and normal value for 6 months.
- The adjustments claimed on account of bulgetness or grades are without any basis, material evidence or substantiation. Such claims have not been made in any of the other responses received either to the original investigation or new shipper review investigations or for that matter in the sunset review investigations. In view thereof, such adjustments are required to be rejected.
- The producer was not following Chinese GST as is admitted in the disclosure statement wherein it has been found that tax and rent interest etc. were not reflected in the books of accounts. Despite the above, the Designated Authority has granted them MET.
- The explanation for VAT given is not found for any of the entities so far subject to investigation. It appears that there is some special incentives given to this entity indicating some kind of government interest in the entity.
- The imports into India were made by a related company of Shye International who did not file any importer questionnaire response. The Designated Authority had in other cases made such related importers file

questionnaire responses. The practice followed in the present case to that extent is discriminatory and not consistent with earlier cases. In any case, without the importers questionnaire response by a related entity no proper determinations could have been made;

- For the first time existence of M/s Foshan Hongyun Trade Limited Company which is a state-owned trading Company has been made in the disclosure statement. They have not filed any response to the Designated Authority and hence no determinations for the new shippers as contemplated could have been reached without their participation;
- The producer had an exclusive trade contract with Hongyun Trade Limited Company which expired in December 2006. No document in support has been placed on record. The date of such contract is important to reach correct determinations. As per the disclosure statement another exporter M/s Xin Zhong Wei has also exported the subject goods to various countries, during the POI. No response has been filed by this company. Therefore, the authority cannot reach correct determinations;
- It has been stated in the disclosure statement that domestic industry was notified about initiation. None of the producers in India received any such intimation about initiation though names of most of them were available on record of the Designated Authority through the Sunset Review Investigations. The first letter that was received by H&R Johnson was dated 4<sup>th</sup> October 2007, wherein notice of hearing was given. In the absence of such intimation, domestic industry could not participate in the investigations;
- The statements recorded in the disclosure statement about 3 shareholders of producer, advance approval, information about purchase of new plant etc. are not available either in the application, or their questionnaire response. At what stage and through which document such information was obtained is not clarified in the disclosure statement. Such information is also not available in the public file. Further, the same is contrary to information provided in non-confidential version of the application and questionnaire response where only two shareholders are specified. The fact that there were three shareholders goes to show that it was a going concern even prior to 2006 a fact that has been totally ignored by the Designated Authority and has a direct bearing on the outcome of the case. No information has been sought on the third shareholder who could have been excluded as his inclusion could have been fatal to the Review under Rule 22. Further, no information or data has been provided for M/s. Foshan Nanhai Lijing Ceramic Co. for the Designated Authority to conclude if they exported the subject goods during the original period of investigation;
- The approval of the company was issued on 30.8.2005 as per disclosure statement while the company was formally incorporated only in January 2006. No questions or issues were raised by the Designated Authority on how in such a situation, the contract for purchase of plant and machineries was made much prior to such dates on 26.7.2005;

- It has been recorded in the disclosure statement that the land belonged to a village community. From the disclosure statement it appears that M/s. Foshan Nanhai Lijing Ceramic Co. Ltd. was operating from the same premises where the present producer has set up operations. If the land belonged to the Government or village community, then under law, Lijing had no locus to enter into lease deed for 20 years with the producer;
- No examination is reflected in the disclosure statement on distortions carried over from the former non-market economy system particularly when the old plant and machinery has been taken over. No examination has been carried out to see if the producer or exporter were subject to bankruptcy and property laws to reach determinations in terms of Para 8(3)(c) of Annexure-I;
- The Designated Authority has not disclosed the level of profit taken which it appears to be a figure emanating from any confidential data; The profit should have been determined using the options under para 4(i) of Annexure-I which provides for addition of profit earned by the manufacturer/exporter for the same general category of products;
- The Designated Authority has recorded that inland transport and all FOB expenses have been borne by Hung Yun from its margins. The Designated Authority has accepted such statements without even asking Hung Yun to file questionnaire response;
- The disclosure statement gives an impression that part of the goods were exported through Hong Yun and rest has been exported through M/s. Xin Zhong Wei and total exports to India were through these two entities during period of investigation and no exports were made through Shye International;
- Copy of the verification report along with comments filed by the producer/exporter to such verification report have not been provided or made available as has been done in other cases;
- The primary condition under Rule 22 is that the applicant for new shipper review should not be related to any entity which is subject to anti-dumping duties. It is clear that those entities who have related parties, who are subject to duties, are not eligible for a new shipper review and the only recourse they have is to file joint application for all its related entities or seek a mid-term review in terms of Rule 23. It is an uncontroverted fact that the related entities were subject to anti-dumping duties applicable to the residuary category making the exporter ineligible for a new shipper review. That being the case and in view of the fact that the two necessary conditions of Rule 22 having not been fulfilled, the application of the new shipper needs to be rejected;
- No evidence was placed in support of the claim that new shippers were exporters prior to making of the application. No questionnaire response has been filed by such related entities for the authority to accept their claim that no exports were made by them in the original investigation. Entities that exported during the period of investigation for new shipper have also not filed any questionnaire response;



- There is no mention as to how the authority reached a conclusion that electricity was bought at prevailing electricity charges. No details about examination of water rates in China have been recorded. Moreover, assuming but not accepting that electricity and water were procured at prevailing market rates, no examination whatsoever has been done to ascertain whether such prices are reflective of the market forces, particularly when admittedly these inputs are being supplied by State enterprises;
- The exchange rate in China is controlled by the Chinese Government and is admittedly kept at an artificially controlled level. There is ample research on the subject which clearly reveals that the Chinese Yuan is undervalued by at least 30%. It may be appreciated that this factor alone makes imports 30% cheaper into India. Under the circumstances, there is no question of giving market economy status to the Chinese firms as long as their transactions are not carried out at market determined rates, as envisaged in para 8(3)(d) of Annexure I to the Anti-dumping Rules;
- Having admitted that the said exporter has been incurring losses on its domestic sales for the types exported to India, the authority cannot determine normal value under Section 9A(1)(c)(i). The authority has also not recorded on what bases it came to a conclusion that the normal value in this case cannot be determined under Section 9A(1)(c)(ii)(a) i.e., on the basis of export price from the exporting country or territory to an appropriate third country. Resort to Section 9A(1)(c)(ii)(b) has been taken without giving reasons for its appropriateness;
- The profit for the purpose of this Section is to be determined in terms of paragraph 4 of Annexure-I to the Anti-dumping Rules. The said provision provides guidelines for determination of profit for constructed normal value. Designated Authority has not considered the options under para 4(i) of Annexure-I which provides for addition of profit earned by the manufacturer/exporter for the same general category of products. It is also appears that the Designated Authority has not considered the option under para 4(ii) of Annexure-I even though the Designated Authority may be in possession of requisite information with regard to the profits earned by other producers in China;
- The new shipper mis-declared vital information prior to the initiation and also during the entire investigations with a view to mislead the Authority. Designated Authority may kindly appreciate that the producer/exporter had misled the authority by consciously filing incorrect declarations both at the time of making of the application seeking New Shipper Review and also along with the questionnaire response;
- It is pertinent to note that the exporter has sold insignificant quantities of two models to India simply to establish a higher export price and the resultant negative dumping margin. Since, these sales are insignificant the export prices of such small quantities cannot be considered to be as normal sales in the ordinary course of trade for the purpose of

computation of dumping margin. Designated Authority has not examined the possibility of circumvention in this situation.

## **C.2 Views of the applicants for the review**

8. The applicants for the new shipper review, in their post public hearing submissions, have inter alia argued that since nobody has filed any information or argument on the initiation of the review investigation by the Authority within the stipulated time as mentioned in the initiation notification or within such extended time, they have exhausted their right to file any information or argument and should not be allowed any opportunity to file any information at this stage.

9. In addition to the above the applicants have also argued that as per the Rule 22 of the Rules and Article 9.5 of the Agreement they are entitled for separate dumping margin as a new producer and exporter of the subject goods from China as they satisfy the conditions laid down in those Rules.

## **C.3 Examination of the issues**

10. The issues raised by the interested parties in their respective submissions have been examined with reference to the material facts of the case. The Authority notes that H & R Johnson did not file any comments on the initiation of the review or on the questionnaire response filed by the applicants within the stipulated time though the notice of initiation was sent to all the constituents of the domestic industry in the original investigation as per the records of the Authority, vide letter dated 8<sup>th</sup> February 2007 and such communication was sent under Speed Post. Therefore, the contention of the party that the domestic industry in general, and H & R Johnson in particular, was not notified by the Authority at the time of initiation and that the first intimation received by them was through the public hearing notice is not tenable. In any case all initiation notifications are published in the gazette of India extraordinary and also posted in the website of the designated authority. Therefore, the interested parties are deemed to have been notified through these public notifications. Therefore, arguments of H&R Johnson in this respect are not valid.

11. The Authority notes this party has raised certain legal, procedural and substantive issues at this late stage of this investigation without exercising its rights and discharging its obligations as a responsible interested party in this case at the appropriate stage in this investigation. Therefore, this party does not have the *locus standi* to file these objections at this stage. However, notwithstanding the lack of participation of this interested party at the initial stages of this review investigation, in the interest of transparency and just determination, the Authority has taken the issues raised by them on record and examined them to the extent they are substantiated and relevant.

12. As far as the issue of the issues of prospective POI is concerned, the Authority notes that the Hon'ble CESTAT in its orders quoted above has held that

*"A new shipper review under rule 22 should normally cover production, exports or sales during the period preceding the initiation of review. Fixing review period, for such investigation, that falls subsequent to the date of the application for such review is not at all warranted,....."*

13. The expressions 'normally' and 'warranted' used in the above observations of the Hon'ble CESTAT indicates that while it is desirable to fix a retrospective POI for a new shipper review the Rules do not prohibit an investigation with prospective POI. The Hon'ble CESTAT had upheld other new shipper review investigations in the past initiated under Rule 22, with prospective POI, which re-enforces the above interpretation. The Authority also notes that neither the Rule 22, nor Article 9.5 of the Agreement prohibits a prospective POI for determination of dumping margin for a new shipper. Therefore, having initiated and conducted the review so far, the Authority is of the view that the above observation of the CESTAT does not in any way come in the way of finalizing this findings.

14. As far as the issue of eligibility of the applicants to file the review application under Rule 22 since the applicant exporter had not exported prior to filing application is concerned, the Authority notes that the Hon'ble CESTAT has observed that *"Person who has never exported or produced the product in the exporting country cannot qualify for applying for initiation of new shipper review under rule 22....."*. However, the Authority notes that the ratio of the orders quoted does not apply in this case. In the instant case, the applicant producer had already established itself as the producer of the subject goods in the exporting country before the application of the review was made and the producer and exporter had already entered into a contract for exporting the goods to India before that date.

15. As far as the issues of satisfaction of two basic conditions for new shipper review applications are concerned, the Authority notes that the new shipper review investigation was initially filed by the applicants in June 2006 which was not accepted by the Authority due to significant deficiencies in the said application which is evident from the fact that the review was initiated only in January 2007. The applicants filed revised application on 20<sup>th</sup> November 2006 rectifying the deficiencies and errors in the original application. The review as initiated by the Authority on the basis of the revised application on prima facie satisfaction of the conditions laid down in Rule 22 of the Rules. The applicants prima facie established that they were not related to any of the exporters who exported the subject goods to India during the original investigation and therefore, not subjected to antidumping duty through individual duty rates or residual rates. The applicants also prima facie established that they were new producer and exporter of the subject goods to India and came into existence

during the currency of the duty and therefore, they themselves did not export the subject goods during the original POI.

16. The Authority notes that pre-initiation examinations of the conditions for the review are not conclusive investigations in themselves. Prima facie satisfaction of the twin conditions for initiation of the review are required to be established based on the documentary evidences placed by the applicants before the Authority and further examination of the same is the subject matter of detailed investigation which cannot be concluded before initiation. Therefore, after initiation of the review the Authority has proceeded with further examination of the claims of the applicants, including the correctness of the facts of their status as new shipper and relationship with other producers and exporters of the subject country attracting duty and the same has been dealt in appropriate places in this findings.

17. As far as the status of exporter M/s Shye International is concerned, as noted in the relevant section of this findings this Company is registered in Hong Kong and has established its office in Guangzhou, China PR for carrying out export activities from China. As per the Memorandum and Articles of Association and Certificate of Incorporation issued by the Registrar of Companies, Hong Kong, this Company was established on 7<sup>th</sup> August 1998 in Hong Kong by two Indian nationals to carry out trading activities to various countries. However, as per the Certificate dated 17<sup>th</sup> January 2007 by M/s C.K. Liu & Company, Certified Public Accountants in Hong Kong, M/s Shye International has not commenced any business for the years 1998 to 2004. Further, the balance sheet of the company from 2004 to 2006 does not show any significant business activity. The Company established its China office in 15<sup>th</sup> July 2003 to carry out trading activities from China. The Company has also provided a copy of Registration Certificate of Foreign Enterprise Permanent Office in China alongwith the Business Registration Certificates for the period 7.8.03 to 6.8.04, 7.8.04 to 6.8.05, 7.8.05 to 6.8.06 and 7.8.06 to 6.8.07. Therefore, there is apparently no contradiction in the status of this exporter as alleged by H&R Johnson (HRJ).

18. The ownership status of the producer M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd. Foshan China and its relationships with the exporter M/s Shye International has been examined and it was noted that the producing Company is owned by two Chinese Individuals and the exporting Company registered in Hong Kong is owned by two Indians. Therefore, no relationship in terms of ownership or management control could be found. The only relationship that exists is the sole agency and exclusive marketing agreement entered into by these two parties on 17<sup>th</sup> July 2006 for export of subject goods, manufactured by the producer, to India.

19. M/s H&R Johnson has also raised the issue of confidentiality claims of the applicants. In this connection the Authority notes that the applicants have claimed confidentiality on the business sensitive information about their

ownership, domestic and export sales and cost of production. However, with due regard to the confidential nature of such information the Authority has included such information in summarized manner in the disclosure statement to the extent such disclosure was warranted and summarization was possible without disclosing the commercially sensitive information of the party supplying the same. As far as placing the report of verification of the exporter in the public folder is concerned, the Authority notes that it is neither a requirement under the law nor under the agreement. Since verification of the exporter includes examination of very sensitive confidential information of the party being verified and due to difficulties faced in maintaining confidentiality of the commercially sensitive information while making a non-confidential disclosure of the verification report, such practice has been discontinued by the Authority. Therefore, the verification report of the applicant has not been made available to other parties.

20. M/s H&R Johnson (HRJ) has further argued that the applicants have exported insignificant volume of the subject goods to India during the POI with an intention of circumventing the duty and therefore, the Authority should have examined the aspects of circumvention while deciding the review. In this connection the Authority notes that Rules 22 under which such reviews are conducted does not specify any minimum quantity or volume of export for determination of dumping margin for the new shipper. Therefore, quantity exported by the exporter during the POI cannot be tested for its insignificance as has been argued, without exposing such examination to subjectivity. In any case the domestic industry is free to bring the recurrence of dumping by circumventing the new shipper provisions as a result of such review, if such a situation arises, at a later stage and the measure can be subjected to a periodic review under Rule 23. Therefore, the arguments of HRJ in this respect are not tenable.

21. As far as the issues of suppression of facts about existence of two factories of the producer and intermediary exporters are concerned, the Authority notes that the subject good under consideration is vitrified porcelain tiles and the same is being manufactured in the polishing unit of the applicant producer. However, the tile bodies, which are the inputs of this plant are manufactured in a plant originally owned by M/s. Foshan Nanhai Lijing Ceramic Co. Ltd. The plant and machineries of the unit has been sold to the applicant producer and land has been transferred to the applicant producer on long term lease basis. This being only a tile body unit could not have exported vitrified tiles to India as has been alleged by HRJ. The purchase agreement for the plant and machineries and lease of the land has been submitted by the party alongwith the valuation of the assets. The land in China belongs to the Government and remains so even if the lease right of the land use is transferred.

22. The disclosure clearly stated that the producer has been exporting the subject goods to other countries through two trading companies namely, M/s Hung Yun and M/s Xin Zhong Wei as they did not have their own export licence. However, the export to India was only through M/s Hung Yun, whose export

licence has been used to carry out the export to India, while M/s Shye International is the actual shipper from China. Though Hung Yun has not filed separate questionnaire response transactions between all the parties involved in the export transactions to India have been made available by the applicants and the same have been examined and necessary adjustments towards all direct selling expenses of the parties involved have been carried out as per their records. The selling expenses and margins of Hung Yun has also been adjusted to arrive at the ex-factory export price. Therefore, the contentions of HRJ are not valid.

23. As regards the issues of market economy status of the producer and its relationship with other Companies in China PR, allegedly not disclosed by them, methodology of determination of normal value and export price are concerned, they have been addressed and clarified in the respective sections to the extent they are relevant and necessary corrections have been incorporated.

24. As regards, the arguments of HRJ that the final selling price of the affiliated importer of the exporter M/s Shye International should have been taken into account for determination of the export price, the Authority notes that the final selling price of the affiliated importer M/s Shye Impex has been examined and after adjusting for the customs duty and all other levies at the time of customs clearance and other expenses, and a reasonable margin for the importer, net sales value of the goods imported by Shye Impex was found to be significantly higher than the CIF export value of Shye International. Therefore, the export price has been correctly determined on the basis of export price of the exporter.

#### **D. Examination of the claims of new shipper**

25. The application for this new shipper was filed by M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd. Foshan China (also known as Bioma Ceramics) as the producer of vitrified porcelain tiles and M/s Shye International Ltd, Hong Kong, as the shipper of the subject goods from that country.

26. On the basis of the information filed by the applicants verification of the information was carried out to the extent possible. Examination indicates that in July 2005 three individual shareholders entered into an agreement to form a private limited Company in the name and style of M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd (with a shareholding of \*\*%, \*\*%, \*\*%) to produce vitrified porcelain tiles in Foshan. On the basis of this agreement the local government gave an advance notice of approval of the Company name on 30<sup>th</sup> August 2005. In terms of the said advance approval the proposed company was allowed to open bank account in the said name and operate the same till formal approval of the registration. However, one of the investors did not fulfill its obligation of investment and the company was ultimately formed with two shareholders and the Company was formally incorporated in January 2006 only with two

shareholders forming the Company with \*\*\*% and \*\*\*% shareholding with a total equity contribution of \*\*\*\*\* RMB.

27. After applying for the registration of the new Company under establishment took over an old tile body plant from another company i.e. M/s Foshan Nanhai Lijing Ceramic Co. Ltd., owned by one Mr Pan Lee Ing on a long terms lease purchase agreement and set up a new tile polishing unit to start trial production of vitrified tiles in October 2005. However, commercial production was started in January 2006 after formal incorporation of the Company. In addition to the business licence the Company produced a certificate from the local government certifying the date of establishment of the company and ownership status. The Company also produced a certificate from Guangdong Zhongxin Zhincheng Lawyer Office which confirms that the shareholders of this company are not involved in any other company. As per the records of the Company this Company did not have any relationship with the trading companies involved in its export activities. M/s Hung Yun has also submitted a certificate certifying that they did not have any export of the subject goods to India except one transaction in the year 2006.

28. M/s Shye International is a company incorporated in Hong Kong as a private limited company. The company has established an office in Guangzhou, China for carrying out export operation from China. Examination of the balance sheets of the Company indicates that this party did not have any significant activity for a long time and no export activity of the subject goods. As per the balance sheet the Company does not have any investment in any Company or other business in China. Vide an agreement dated 17<sup>th</sup> July 2006 Shye International has entered into a sole agency and exclusive distributorship contract with the producer as above for export of the subject goods to India. This party had no export activity of the subject goods to India prior to the application. After initiation of the review this party has shipped only one consignment of the subject goods manufactured by M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd to India.

29. Therefore, the applicant producer and exporter, being new entities which started operation only in 2006, were not involved in any export activity of the subject goods to India during the original investigation period. These two Companies and their shareholders are also not related to any other producer or exporter of the subject goods in China who had any export activity during the POI of the original investigation. Therefore, they have satisfied the conditions in Rule 22 of the Rules and are eligible for individual dumping margin as new shipper of the subject goods.

#### **E. Examination of Market Economy claims and individual dumping margin**

30. The market economy status of the producing company, their domestic sales, cost of production and export sales details were verified for the purpose of determination of the normal value of the applicant producer.

##### **i) Examination of Market Economy Claims of the Applicant Producers: M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd. Foshan, China PR**

31. As noted earlier, M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd was formed as a proposed Company in July/August 2005 on the basis of an agreement between

three individual shareholders agreeing to form the company with a shareholding of \*\*\*%, \*\*\*%, \*\*\*%). The Company approached the local government for registration of the proposed company an advance notice of approval of Company name was issued on 30<sup>th</sup> August 2005 allowing the proposed company to open and operate bank accounts and set up the production facilities. The Company was formally incorporated in January 2006 only with two shareholders forming the Company with \*\*\*% and \*\*\*% shareholding with a total equity contribution of 500000 RMB. The third investor who initially signed the investment agreement did not fulfill its commitment of investment and did not join the Company.

32. This proposed Company under establishment entered into a purchase agreement with Mr Pan Lee Ing owner of an old tile body plant in the name of M/s Foshan Nanhai Lijing Ceramic Co. Ltd. for manufacture of tile body. The Company also set up a new tile polishing unit to start trial production in October 2005. Commercial production was started in January 2006 after formal incorporation of the Company.

33. The tile body making unit was set up in 1998 and originally belonged to M/s Foshan Nanhai Lijing Ceramic Co. Ltd., owned by one Mr Pan Lee Ing. The applicant producer has acquired the plant and machineries from this unit on out right purchase basis as per the contract dated 26<sup>th</sup> July 2005 with the previous owner for a total value of RMB \*\*\*\* Million. The process of acquisition was through negotiations between the parties and payment has been made by cash for which a valuation report, list of plant and equipments and payment details were produced by the Company. The Company also produced a copy of the certificate of verification of assets done by Guangzhou Zhong Shen Certified Public Accountants showing the purchase price of assets and tax paid on the same.

34. The land and building (\*\*\*\*\* sqr meters) belonging to this unit has been acquired by the applicant producing Company on a long term (20 years) lease basis from 5<sup>th</sup> July 2005 till 4<sup>th</sup> July 2025 at an annual lease rental of RMB300,000/-, subject to revision every three years by about \*\*%. It was clarified that the land actually belongs to the village community as per the Chinese law. The lease rent paid is for the land use right for the lease period only and the amount is paid to the Government through the original owner. Copy of the lease contract was produced for verification.

35. As far as the Polishing Plant is concerned, it is a new plant set up at a different location after establishment of this Company with a capacity of \*\*\*\* Sqr Meter per annum. The plant and machineries for the new plant has been purchased from the open market out of the capital raised by the Company as short term loan from the shareholders. It was noticed that for the purpose of acquiring the assets of the tile body making plant and to set up the new polishing unit the Company has taken short term loan of \*\*\*\* million in the form of cash contribution from the shareholders of the Company. However, no evidence was shown for the payment of any interest to the shareholders towards the short-term borrowings. Since as per the records, the Company has not paid any interest on the capital raised from the shareholders in the form of loan a notional interest amount has to be charged on the short term borrowings, based on the prevalent market interest rate of approx. \*\*\*% p.a. annum in Foshan, China during POI (based on the average interest rate in China during this period) for determination of the cost of production and sales.



36. The Authority notes the arguments of the interested party that since the producing Company does not pay interest on the short term borrowings they are not following GAAP in the country of exports and therefore, market economy status should not be granted. In this connection it is noted that the borrowings are in the form of personal loans from the promoters of the Company on which the contributors have not charged any interest. However, the benefit accruing to the company on account of this capital contribution on which no interest has been charged has been neutralized by adding the interest cost on this borrowed capital to the cost.

37. Purchase of raw materials and other inputs has also been examined. The tile body unit purchases basic raw materials i.e. stone/sand/clay, other chemicals, and fuel from the open market. Electricity is being purchased from the state-owned power supply company. Raw materials have been purchased from several suppliers not affiliated to the Company and not having government holdings. It was claimed that the raw materials were purchased from the open market at market prices and State is not involved directly or indirectly either in procurement or pricing of raw materials. It was also claimed that major suppliers of major raw materials were neither related with the applicant companies nor State owned enterprises.

38. The producing Company has been selling the subject goods primarily in the domestic market and freely decides regarding the output and sales depending upon market demand and nothing adverse had been found in this regard from their records. On examination of the claim of the new shipper it was found that there were sales of the subject goods in the domestic market in substantial volume and the evidence of state involvement was not found regarding determination of sale price/quantities. It was also observed that sales of subject goods in the domestic market have been made to different customers at different prices but wide variation was not found. Domestic or export sales varies from customer to customer which depends on demand and supply position in the market.

39. HRJ has raised the issue of power cost and exchange rate control by the Chinese Government. In this connection the Authority notes that the power is supplied by the state-owned power companies but electricity and water have been charged according to the consumption pattern and the prevailing prices charged by the concerned electricity/water supply company. However, no evidence of any possible preferential treatment, directly or indirectly, was found. The price charged by the supplier is different in different time lags like for peak, mid-peak and non-peak hours. Price per unit for peak and mid-peak hours are higher than non-peak hours.

40. As regards engaging labours, the company claimed that all employment decisions were taken by the company itself. There is full freedom to the company with regard to its mode of hiring employees and they can be fired also on a very short notice. They claimed that the Chinese Government does not provide any benefit like housing, medical care etc.

41. The company was found to be maintaining its accounts as per Generally Accepted Accounting Principles of China. The company maintains monthly profit & loss statement which is required to file profit & loss statement along with VAT

185362/08-6

filing to Tax authority. Accounts of the company were audited by the Auditors and no adverse comments were found in their Auditor Report with regard to the accounting practices followed by the company.

42. As far as application of bankruptcy and property laws are concerned, the Authority notes that such laws are in place in China and are applicable to all enterprises operating under the Company Laws of China. The company is free to acquire property and dispose them off under the said laws. The company claimed that bankruptcy law is applicable to a firm when a firm becomes bankrupt and the details regarding the settlement of the dues is governed by law maintained under bankruptcy law.

43. As far as the issue of exchange rate as raised by HRJ is concerned, it is a macro-economic issue and the market economy status of the company cannot be decided on the basis of this issue alone. The export earnings of the Company were converted into the Chinese currency as per the exchange rate prevailing on the date of transaction.

44. The above examination indicates that there is no significant carry over of distortions from the erstwhile market economy system and the applicant producer has been operating under market economy principles without significant state intervention in its commercial activities. In view of the above it is appropriate to determine normal value as per para 1 to 6 of Annexure 1 to the Anti Dumping Rules.

**ii) Cost of production and Domestic Sales**

45. The Company produces tiles body and vitrified tiles in different sizes i.e. 500X500; 600X600; 800X800 and types i.e., double loading (DL), soluble salt (SS), crystal double loading (CL), pure colour (PC), and crystal yellow (CY) tiles. However, they have exported only two varieties of tiles i.e., SS and CL, to India during the POI.

46. Distortions if any in the cost of production and sales has also been examined and the Authority notes that the Company has provided the details of acquisition of capital assets and other operating expenses except the interest on the borrowings made by them from the shareholders for which a notional adjustment towards interest cost has been done. Subject to this the cost of production of the subject goods have been examined from the records of the Company keeping in view the above observations on the nature of operation and status of the company. Cost advantages accrued to the Company on account of finance cost have been neutralized as indicated above. The costs of production of the individual types, so determined, have been compared with the domestic selling price for ordinary course of trade test.

47. Bioma has made two types of domestic sales of the subject goods manufactured by it. It has sold significant quantities to the export trading companies for exports and also sold in the domestic market for domestic consumption. Sales in the domestic market and sales for export purpose have been reported in two separate annexure to their response. The company has sold four types of the subject goods in three sizes. However, only SS and CL varieties have been sold in Indian Market during the POI. Sales of these two grades in domestic market are in sufficient quantities and sales are to unrelated parties.

48. Domestic sales are at ex-factory level and payment has been realized in advance against the domestic sales. Therefore, no other selling expenses and no adjustment have been claimed by the producer to arrive at ex-factory price. However, the Authority notes that the average selling price of the above two varieties in the domestic market during the POI was below the average computed cost of production of these two varieties during the POI after adjusting cost for interest expenses. Therefore, the domestic sales transactions cannot be considered for determination of normal value of this producer in China.

49. The Authority notes that HRJ in its comments on the disclosure has argued that having admitted that the said exporter has been incurring losses on its domestic sales for the types exported to India, the authority should have recorded on what bases it came to a conclusion that the normal value in this case cannot be determined under Section 9A(1)(c)(ii)(a) i.e., on the basis of export price from the exporting country or territory to an appropriate third country. In this connection the Authority notes that neither the Rules quoted above, nor ADA provide for any kind of hierarchy in the method of determination of normal value in a situation in which the normal value in the country of export cannot be determined on the basis of domestic selling price in the country of export of the exporter. Neither there is any requirement to record a finding why the third country export sales cannot be adopted for determination of normal value. However, the Authority has examined the selling price of the subject goods to other countries and finds that determination of normal value based on cost of production and general administrative and selling expenses plus a reasonable profit margin is appropriate method of determination in this case.

50. The Authority also notes that the interested party (HRJ) in its comments on the disclosure statement has argued that the Authority should have adopted the profit margin earned by the producer in terms of paragraph 4 of Annexure-I to the Anti-dumping Rules. In this connection the Authority notes that as per the records of the Company the Company has registered a profit of \*\*\*\*% on the sales value of the product under consideration. Therefore, the normal value has been revised taking into account the above profit margin as argued by the interested party. Accordingly, the normal value has been determined as follows:

RMB/ Sqr Meter	Product Types	
	SS	CL
	RMB/Sqr Meter	RMB/Sqr Meter
Cost of Production	****	****
SGA Expenses	****	****
Cost of Sales	****	****
Profit ****%	****	****
Normal Value	****	****

### iii) Export Sales to India

51. The producing company established in 2006 did not have export licence to export the subject goods. They were exporting the goods to different countries through M/s Foshan Hong Yun Trade Limited Company, which is a state-owned

1853 GI/08-7.

trading Company. Hung Yun was the sole export agent for Bioma till December 2006 after which the exclusive trading contract has expired and another exporter has also exported the subject goods to various countries during the POI. During this period the Company exported total \*\*\*\* Sqr Mtrs of tiles to various countries out of which \*\*\*\* Sqr Mtrs were exported through Hong Yun and rest has been exported through the other unrelated trading company M/s Xin Zhong Wei. The Company has produced a separate annexure listing all exports made through these trading companies during the POI. In July 2006 Bioma has entered into a sole agency and exclusive distributorship contract with M/s Shye International Limited, Hong Kong for starting export business to India.

52. As far as exports to India are concerned, there are only two transactions during the POI (February to July 2007). The exports have taken place from Bioma through Hung Yun in China and Shye international, Hong Kong. Hong Yun has not participated in the investigation. It was also clarified that Hong Yun is a state trading company and has no relationship with Bioma. However, the producer was asked to provide information on past export of Hong Yun to India, if any, in terms the Rules. It was found that Hong Yun exported one consignment in 2006 and another in 2007. Hence there was no export from Hong Yun to India during the POI of the original investigation. The other trading company has not exported the subject goods to India during the POI.

53. Transaction details between Bioma, Hong Yun and Shye International were also examined. It was noticed that sales from Bioma to Hung Yun are domestic sales and the producer raises VAT invoices against Hung Yun. The invoice is at ex-works level in RMB Yuan inclusive of VAT @ 17%. Hong Yun in turn raises invoice on Shye International, Hong Kong in US\$ on FOB basis whereas the goods have been shipped directly to India. Hung Yun claims VAT refund of 13% on export consignments. Copies of invoices of Hung Yun were produced though Hung Yun has not filed any questionnaire response.

54. The sales from Bioma to Hung Yun are at ex-works and payment is realized through TT. The sales from Hung Yun to Shye are at FOB term and payment from Shye to Hung Yun is through Letter of Credit. Shye international is the shipper and raises invoice on its related importer Shye Impex in India. Payment from Shye Impex to Shye International is on LC terms. Shye Impex as the importer has not filed any questionnaire response. However, price at which Shye International has exported the goods to its affiliated importer and the final selling price of the affiliated import has also been examined as noted earlier and it was found that the final sales realization of the importer from unaffiliated purchaser in India is at significant profit after deductions towards, add duties and levies and associated selling expenses. Therefore, the transaction between the affiliated exporter and importer does not appear to have been affected by relationship. Therefore, the determination of export price based on the final price of Shye International to India has been found to be appropriate and reasonable.

55. Inland transport and all FOB expenses have been borne by Hung Yun from its margins and actual expenses have been provided by the applicants. Sales from Shye International to Shye India are in CIF term. Ocean Freight and insurance has been paid by Shye international to Hung Yun. Therefore, the selling expenses of Hung Yun and Shye have been adjusted to arrive at net ex-works export price at the factory level of the producer. The Authority also notes

that while purchase price of Hung Yun includes VAT @17% the refund of VAT is @13% of the basic price, on exportation and therefore, VAT differential of 4% is a selling expense for the exporter which has been adjusted from the export price of Hung Yun along with a profit margin of \*\*\*% to arrive at ex-works price. Accordingly, the export price at ex-works level of the producer has been determined as follows:

			Less Direct selling Expenses of Shye	Less Direct Selling expenses of Hung Yun						
	Qty Sqr Mtr	Invoic e Value US\$	Ocean Freight and Insurance US\$	In land freight US\$	VAT Differe ntial 4% US\$	Profit Margin of Hung Yun 3% US\$	Produ cer's selling expen ses US\$	Total adjust ments US\$	Net Value at Ex- works level US\$	Ex- works Export price US\$/S qr Mtr
SS	****	****	****	****	****	****	****	****	****	****
CL	****	****	****	****	****	****	****	****	****	****
Total	****	****	****	****	****	****	****	****	****	****

#### iv) Dumping Margin:

56. Ex-works normal values of the above product types determined as above have been compared with the ex-works export prices of the exporter determined at the ex-works level as above for determination of its dumping margin as follows:

Product Type	Export Qty	NV US\$/Sqr Mtr	EP US\$/Sqr Mtr	DM US\$/Sqr Mtr
SS	****	****	****	****
CL	****	****	****	****
Total	****	****	****	****
				1.5%

57. The dumping margin of the applicants has been found to be de minimis.

#### E. Conclusions and Recommendations

58. Having conducted this review in terms of Rule 22 of the Rules and after considering the foregoing the Authority concludes that

i. the producer M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd. Foshan China (also known as Bioma Ceramics) and exporter M/s Shye International, Hong Kong have established themselves as new shipper of the subject goods to India and therefore, are eligible for separate dumping margins.

ii. Dumping margin of the vitrified porcelain tiles manufactured by M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd. Foshan China (also known as Bioma Ceramics) and exported by M/s Shye International, Hong Kong during the period review was found to be de minimis.

59. Therefore, in terms of Rule 22 of the Rules the Authority recommends that no anti dumping duty be imposed on imports of Vitrified/porcelain Tiles falling under Chapter 69 of the Custom Tariff Act, 1975 produced by M/s Foshan Nanhai Jing Yu Ceramics Ltd. Foshan China (also known as Bioma Ceramics) and exported by M/s Shye International, Hong Kong.

60. An appeal against the orders of the Central Government arising out of this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority